20 फरवरी 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण



इको टूरिज्म और एडवेंचर हब व हॉट एयर बैलून से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : सीएम

2

महाकुंभ को बदनाम करने की साजिश... संगम का पानी नहाने व आचमन के लिए उपयुक्तः योगी

- सीएम योगी बोले- संगम और उसके आसपास के सभी पाइप व नालों को टेप कर दिया गया है और पानी को शुद्ध करने के बाद ही छोड़ा जा रहा है
- सीएम ने विधानसभा में दिए सवालों के जवाब





एजेंसी/प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में भव्य महाकुंभ जारी है और श्रद्धालु रिकॉर्ड संख्या में संगम में स्नान करने के लिए पहुंच रहे हैं। इस बीच राज्य में विपक्षी दलों की ओर से त्रिवेणी संगम में पानी की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किए गए थे। हालांकि, अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद विधानसभा में इन सवालों का जवाब दिया है। सीएम योगी ने कहा है कि संगम का पानी न केवल नहाने के लिए बल्कि आचमन के लिए भी उपयुक्त है। दरअसल, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने बुधवार को त्रिवेणी संगम के पानी की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़ा किया था। एक न्यूज रिपोर्ट का हवाला देते हुए शिवपाल ने लिखा- महा कुंभ में गंगा स्नान से पहले पानी शुद्ध करने के सरकारी दावों की पोल खुल गई! सीपीसीबी रिपोर्ट कहती है कि पानी में फीकल बैक्टीरिया तय सीमा से ज्यादा है। अब भक्त सोच रहे हैं, ये डबल इंजन सरकार है या डबल इंफेक्शन सरकार?

पानी की गुणवत्ता पर जवाब देते हुए सीएम योगी ने बताया- फेकल बैक्टीरिया रिपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में कहा, त्रिवेणी के पानी की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। संगम और उसके आसपास के सभी पाइप और नालों को टेप कर दिया गया है और पानी को शुद्ध करने के बाद ही छोड़ा जा रहा है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पानी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी कर रहा है। आज की रिपोर्ट के अनुसार संगम के पास बीओडी की मात्रा 3 से कम है और घुलित ऑक्सीजन 8-9 के आसपास है। इसका मतलब है कि संगम का पानी न केवल नहाने के लिए बल्कि आचमन के लिए भी उपयुक्त है। सीएम योगी ने बताया- फेकल कोलीफॉर्म बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे सीवेज लीकेज और जानवरों का मल, लेकिन प्रयागराज में फेकल कोलीफॉर्म की मात्रा मानकों के अनुसार 2,500 एमपीएन प्रति 100 एमएल से कम है। इसका मतलब है कि झूठा अभियान केवल महाकुंभ को बदनाम करने के लिए है। एनजीटी ने भी कहा है कि फेकल अपशिष्ट 2000 एमपीएन प्रति 100 एमएल से कम था।

शिवरात्रि तक ही चलेगा आयोजन, इससे आगे नहीं: मुख्यमंत्री

सीएम ने विपक्षी दलों से मार्मिक अपील की कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए सनातन व भारत को बदनाम न कीजिए। शासन पर प्रश्न खड़ा कीजिए, लेकिन महाकुम्भ और आस्था पर नहीं। पहले आपने कहा कि संख्या बढ़ाचढ़ा कर कही जा रही है। उसे देखने स्वयं सपा मुखिया पहुंच गए कि वास्तव में भीड़ हो रही है कि नहीं। अब कह रहे कि भीड़ बहुत अधिक हो रही है, लोगों को स्नान का मौका नहीं मिल रहा है। तिथि आगे बढ़ा दीजिए। यह इनका दोहरा चरित्र है। पहले विरोध करते हैं, फिर कहते हैं कि तिथि आगे बढ़ा दीजिए। यही बात अभी चच्चू (शिवपाल यादव) भी कह रहे थे, लेकिन तिथि हम नहीं तय करते। यह आयोजन पौष पूर्णिमा से शिवरात्रि तक होना है। शिवरात्रि की तिथि तय है। यह शास्त्रीय ज्योतिषीय गणना के अनुरूप ही होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुष्प्रचार की भी सीमा होती है, उस सीमा को भी सपा ने पार करके इस आयोजन को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। सपा के लोग पूरी व्यवस्था को झुठलाने का कार्य कर रहे थे। डिजिटल कुम्भ पर सवाल खड़ा हुआ। उन्होंने बताया कि 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अलग-अलग समय में परिवारजनों से बिछड़े थे। सपा ने लिखा है कि महाकुम्भ में मची भगदड़, सरकारी अव्यवस्था, कुप्रबंधन के कारण हजारों लोग लापता हैं। कौन मरा, कौन जिंदा, कुछ पता नहीं चल रहा है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न अखबारों के समाचारों को दिखाकर इसका जवाब दिया। सीएम ने बताया कि मौनी अमावस्या को 8725, 13 से 15 जनवरी तक 598 व 2 से 4 फरवरी तक 813 श्रद्धालुओं को परिजनों से मिलाया गया।

भाजपा ने मुख्यमंत्री के नाम का किया ऐलान, प्रवेश वर्मा डिप्टी सीएम

पहली बार विधानसभा चुनाव जीतनेवाली रेखा गुप्ता संभालेंगी दिल्ली सीएम का पद

- आज दिल्ली के रामलीला मैदान में मंत्रियों के साथ शपथ लेंगी नई सीएम रेखा गुप्ता
- पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत कई बड़े नेता होंगे मौजूद

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान कर दिया है। रेखा गुप्ता अब दिल्ली के नई मुख्यमंत्री होंगी। गुरुवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे रामलीला मैदान में वह मंत्रियों के साथ शपथ लेंगी। इस समारोह में 25,000 से 30,000 लोगों के शामिल होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अलावा भाजपा सांसदों के साथ-साथ एनडीए के शीर्ष नेता भी समारोह में शामिल होंगे।

रेखा गुप्ता दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं। उनसे पहले आतिशी मालेर्ना, शीला दीक्षित और सुषमा स्वराज दिल्ली की महिला सीएम रही हैं। रेखा गुप्ता भाजपा की 5वीं महिला मुख्यमंत्री हैं। बीजेपी ने मुख्यमंत्री का चयन करने के लिए वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद और ओमप्रकाश धनखड़ को नियुक्त किया था। विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने बड़ी जीत दर्ज की है और पार्टी का 27 साल का वनवास खत्म हुआ है। 70 सीटों वाली विधानसभा में बीजेपी को 48, आम आदमी पार्टी को 22 सीटों पर जीत मिली है। कांग्रेस का एक बार फिर दिल्ली में खाता नहीं खुला।

रेखा गुप्ता के नाम का विजेंद्र गुप्ता, सतीश उपाध्याय और प्रवेश वर्मा ने प्रस्ताव रखा। बीजेपी ने मुख्यमंत्री का चयन करने के लिए वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद और ओमप्रकाश धनखड़ को नियुक्त किया था। रेखा गुप्ता के नाम के ऐलान के बाद केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि पीएम मोदी न सिर्फ महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, बल्कि इसके लिए काम भी करते हैं। दिल्ली के चुनाव प्रभारी बैजयंत पांडा ने कहा कि यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है। बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि रेखा गुप्ता दिल्ली में एक नया अध्याय लिखेंगी। बीजेपी विधायक कपिल मिश्रा ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक फैसला है और विधायकों ने सर्वसम्मति से यह फैसला किया है। अब हम सभी एलजी से मिलने जा रहे हैं।

मूलरूप से हरियाणा के जींद की रहनेवाली हैं नई सीएम



रेखा गुप्ता मूल रूप से हरियाणा के जींद की रहने वाली हैं। उनका पुश्तैनी गांव नंदगढ़ जींद के जुलाना इलाके में है। यहां उनके दादा मनिराम और परिवार के बाकी लोग रहते थे। रेखा के पिता जयभगवान की नौकरी दिल्ली में लग गई थी इसलिए उनका पूरा परिवार दिल्ली में शिफ्ट हो गया। रेखा गुप्ता की स्कूली पढ़ाई से लेकर ग्रेजुएशन तक दिल्ली में ही हुई है। रेखा गुप्ता की 1998 में मनीष गुप्ता से शादी हुई थी। मनीष गुप्ता स्पेयर पार्ट्स का कारोबार करते हैं। अपने राजनीतिक करियर के दौरान रेखा गुप्ता लोगों के साथ जुड़ी रही हैं और उन्होंने कई राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

शुरू से ही आरएसएस की सक्रिय सदस्य हैं रेखा गुप्ता

रेखा गुप्ता ने पहली बार विधानसभा का चुनाव जीता है। वह शालीमार बाग सीट से विधायक चुनी गई हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार वंदना कुमारी को 29,595 वोटों के बड़े अंतर से मात दी है। रेखा गुप्ता शुरू से ही आरएसएस की सक्रिय सदस्य हैं। संघ की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जरिये उन्होंने छात्र राजनीति में प्रवेश किया। 1994-95 में वह दौलत राम कॉलेज में सचिव चुनी गईं। 1995-96 में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र की सचिव बनीं। 1996-97 में दिल्ली विवि छात्र संघ की अध्यक्ष बनीं।

बीजेपी में कई पदों पर रहीं रेखा: रेखा गुप्ता 2003-2004 तक बीजेपी युवा मोर्चा दिल्ली में सचिव के पद पर रहीं। 2004-2006 में वह युवा मोर्चा की राष्ट्रीय सचिव बनीं। अप्रैल 2007 में उत्तरी पीतमपुरा वार्ड से बीजेपी के टिकट पर पार्षद बनीं। नगर निगम में पार्षद बनने के बाद उन्हें 2007-2009 तक महिला कल्याण एवं बाल विकास समिति के अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। मार्च, 2010 में उन्हें भाजपा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया। मौजूदा वक्त में वह भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।

अरवल में सदर थाना के पास सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, स्पेशल टीम ने 20 लोगों को पकड़ा

पटना। अरवल के सदर थाने के पास चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ बुधवार की रात पटना से आई स्पेशल पुलिस टीम ने किया है। स्पेशल टीम ने छापेमारी कर 10 महिलाओं सहित 20 लोगों को पकड़ा है। इसमें कई नाबालिग लड़कियां भी शामिल हैं। पकड़ी गए लड़कियों को थाने में लाकर पूछताछ की जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने पूरे इलाके में एक-एक घर की तलाशी ली गयी। अचानक हुई इस छापेमारी से हड़कंप मच गया। अरवल के एक मोहल्ले में नाबालिग लड़कियों से जबरदस्ती देह व्यापार कराए जाने की सूचना पर बिहार पुलिस मुख्यालय से कमजोर वर्ग के डीएसपी देव कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने रेड लाइट एरिया में छापेमारी की। पुलिस की छापेमारी लगभग चार घंटे तक चलती रही। छापेमारी के दौरान दो कमरों में आपत्तिजनक स्थिति में दो लड़के और दो लड़कियां मौजूद थीं। छापेमारी में कई कमरों से भारी मात्रा में कंडोम भी बरामद किए गए। छापेमारी टीम के सदस्यों ने बताया कि रेड के दौरान कुल 10 लड़के और 10 लड़कियों को पकड़ा गया। पकड़े गए सभी लड़के- लड़कियों को स्थानीय थाने को सौंप दिया गया। पुलिस सभी लड़कियों की काउंसलिंग करा रही है।

बीपीएससी ने किया ऐलान... 25 अप्रैल से होगी 70वीं मुख्य परीक्षा

- 21 फरवरी से 17 मार्च तक ऑनलाइन भरे जाएंगे आवेदन, 30 अप्रैल तक होगी परीक्षा

केटी न्यूज/पटना

बिहार लोक सेवा आयोग ने 70वीं लिखित परीक्षा की तारीखों का ऐलान कर दिया है। आयोग 25 अप्रैल से इसकी परीक्षा लेगी। इसके लिए 21 फरवरी से ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। यह आवेदन 17 मार्च तक स्वीकार किए जाएंगे। बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी किए गए अधिसूचना में लिखा गया कि 70वीं प्रारंभिक परीक्षा पास कर चुके अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा 25 अप्रैल से शुरू होगी और 30 अप्रैल तक चलेगी। यह परीक्षा दो पालियों में ली जाएगी। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

बीपीएससी मेंस परीक्षा 25 अप्रैल को दो पाली में ली जाएगी। इस दिन पहली पाली की परीक्षा साढ़े नौ बजे से साढ़े 12 बजे तक होगी। वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दो बजे से शाम पांच बजे तक होगी। वहीं 26, 28 और 30 अप्रैल को एक एक पाली में परीक्षा होगी। इन दोनों ने परीक्षा सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक होगी। वहीं 29 अप्रैल को दो पाली में परीक्षा ली जाएगी। पहली पाली 10 बजे से 12 बजे तक चलेगी। वहीं दूसरी पाली दो से पांच बजे तक चलेगी।

एक दिन पहले ही सड़क पर उतरे थे अभ्यर्थी: बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई 70वीं पीटी परीक्षा को दोबारा कराने की मांग को लेकर पटना में मंगलवार को भी प्रदर्शन हुआ। बीपीएससी अभ्यर्थियों ने गर्दनीबाग और मुसल्लहपुर हाल में विरोध प्रदर्शन किया। सोमवार की तरह ही मंगलवार को भी पटना में छात्र और शिक्षक सड़क पर उतर गए। कई अभ्यर्थी गर्दनीबाग धरनास्थल पर भी प्रदर्शन कर रहे हैं। शिक्षकों में खान सर समेत कई लोग शामिल हैं। यह सभी छात्रों के प्रदर्शन को अपना समर्थन दे रहे हैं।

परीक्षा की डिटेल

25 अप्रैल: पहली पाली- सामान्य हिन्दी, दूसरी पाली - निबंध
26 अप्रैल: सामान्य अध्ययन प्रथम पत्र
28 अप्रैल: सामान्य अध्ययन- द्वितीय पत्र
29 अप्रैल: पहली पाली- एकीकृत 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा से संबंधित एक ऐच्छिक विषय, दूसरी पाली - बाल विकास परियोजना पदाधिकारी से संबंधित एक ऐच्छिक विषय
30 अप्रैल: वित्तीय प्रशासनिक अधिकारी से संबंधित एक एच्छिक विषय

मध्यप्रदेश में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में चार नक्सलियों को मार गिराया

एजेंसी/बालाघाट

मध्यप्रदेश के बालाघाट में बुधवार की सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन महिला नक्सली समेत चार नक्सली मारे गए। यह मुठभेड़ गढ़ी थाना क्षेत्र के रौंदा जंगल में हुई। मुठभेड़ में कई नक्सलियों के घायल होने की भी जानकारी सामने आ रही है, लेकिन नक्सली जंगल का फायदा उठाकर भाग निकले। जिनकी तालाश पुलिस बल सहित 12 से ज्यादा टीमें कर रही है। इधर, सीएम मोहन ने मध्य प्रदेश पुलिस को उनकी सफलता के लिए बधाई दी है। साथ ही जवानों का मनोबल भी बढ़ाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में नक्सलवाद और हिंसक गतिविधियों के लिए कोई स्थान नहीं है। राज्य पुलिस इन पर अंकुश लगाने के लिए पूरी सक्रियता के साथ कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा देशभर में नक्सल विरोधी अभियान संचालित है। केंद्र सरकार सभी राज्यों से वर्ष 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रेलवे में विभागीय परीक्षा पास कराने के लिए ली गई रिश्वत, कई अफसरों पर एफआईआर दर्ज

एजेंसी/नई दिल्ली

रेलवे भर्ती मामले में चौंका देने वाला मामला सामने आया है। इस दौरान रेलवे में विभागीय परीक्षा पास कराने के लिए रिश्वत ली गई है। सूत्रों के मुताबिक रेलवे भर्ती घोटाले में सीबीआई ने कई अफसरों पर केस दर्ज कर लिया है। सीबीआई ने यह मामला वडोदरा, मुंबई और अन्य जगहों के रेलवे अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। रेलवे में विभागीय परीक्षा पास कराने के लिए रिश्वत लेने का मामले में अंकुश वासन (आईआरपीएस, वेस्टर्न रेलवे, वडोदरा), संजय कुमार तिवारी (डिप्टी चीफ कमर्शियल मैनेजर, चर्चगेट, वेस्टर्न रेलवे, मुंबई) नीरज सिन्हा (डिप्टी सुपरिटेंडेंट) और मुकेश मीणा समेत कई अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

आरोप है कि अंकुश वासन ने संजय कुमार तिवारी को कम से कम दस ऐसे उम्मीदवारों की सूची बनाने का निर्देश दिया जो पश्चिम रेलवे द्वारा आयोजित होने वाली आगामी सीमित विभाग परीक्षा में चयन के लिए रिश्वत देने को तैयार होंगे। वहीं वे इस बात पर सहमत हुए कि जुटाई गई रिश्वत सीधे मुकेश मीना की ओर से व्यक्तिगत रूप से एसके तिवारी को सौंपी जाएगी। इसके बाद अंकुश वासन और एसके तिवारी के बीच इसको लेकर चर्चा हुई। इसके साथ ही अंकुश ने संजय से ये भी कहा था कि वह मुकेश मीना से कॉन्टैक्ट में रहकर यह पता लगाए कि अभी ऐसे कितने उम्मीदवार तैयार हैं ताकि उनसे पैसे लिए जा सकें। इसके बाद संजय कुमार तिवारी ने मुकेश मीना से इच्छुक उम्मीदवारों को लेकर जानकारी जुटाई। मुकेश मीना ने बताया कि वह पहले ही ऐसे 5 उम्मीदवारों से पैसे ले चुका है।



पटना के मिलर स्कूल मैदान में कुर्मी एकता रैली का आयोजन, पूरे राज्य से जुटे लोग

नीतीश के बेटे निशांत को समर्थन देने को तैयार है कुर्मी समाज

केटी न्यूज/पटना

एनडीए नेताओं की ओर से पटना के मिलर स्कूल मैदान में कुर्मी एकता रैली का आयोजन गया। इस रैली मैं काफी संख्या में कुर्मी एवं कुर्मी की उपजातियों के लोग उपस्थित हुए। इस रैली में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उपस्थित नहीं हुए, लेकिन मिलर स्कूल मैदान के आस-पास पोस्टर बैनर से पटे हुए थे और लगभग सभी पोस्टर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का चेहरा लगाया गया था। हालांकि इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक बीजेपी के अमनौर विधायक कृष्ण कुमार मंटू पटेल थे, जबकि दूसरे मुख्य आयोजक में जेडीयू के पूर्व विधान परिषद



वाल्मीकि सिंह देख-रेख कर रहे थे। कहा गया कि इस कार्यक्रम में राजनीतिक बैनर नहीं रहेगा, लेकिन देखा गया कि कहीं ना कहीं पर्दे के पीछे नीतीश कुमार और उनके बेटे को प्रमोट करने की बात इस रैली में की गई।

रैली में आए लोगों ने कहा कि 31 साल पहले 12 फरवरी 1994 में जो रैली हुई थी, वह रैली काफी ऐतिहासिक थी। उस वक्त नीतीश कुमार का बिहार की राजनीति में पदार्पण हुआ था और वह कुछ साल बाद बिहार के मुख्यमंत्री बने थे। हम लोगों को गर्व हुआ कि हमारे जाति से बिहार के मुखिया बना, लेकिन अब नीतीश कुमार अस्वस्थ हो चुके हैं उनके विकल्प के रूप में कोई होना चाहिए।

वहीं कुछ लोगों ने कहा कि अभी देखा जा रहा है कि विधायक, एमपी या अन्य पदों पर कुर्मी की संख्या पहले की अपेक्षा कम गई है। उसकी वजह है कि नीतीश कुमार कहीं ना कहीं अब पहले की तरह सक्रीय नहीं रहे हैं। इसलिए अब उनके जगह पर कोई नया चेहरा लाने की जरूरत है। इसलिए कुर्मी को एकजुट होना पड़ेगा और उसी के लिए यह रैली जरूरी है। जब उनसे पूछा गया कि नया चेहरा कौन होगा? तो सभी लोगो ने कहा कि अगर नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार नेता बनना चाहते हैं और राजनीति में आते हैं, तो पूरा समाज उनको सपोर्ट करेगा। हम लोग चाहते हैं कि युवा चेहरा हैं नया चेहरा हैं। वह आएं और अपने पिताजी की राजनीति विरासत के रूप में संभाले। लोगों ने कहा कि हमारी जाति का मुखिया फिर से कोई कुर्मी ही बने।

इको टूरिज्म और एडवेंचर हब व हॉट एयर बैलून से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : सीएम

♦ रोहतास को सीएम नीतीश ने 379 करोड़ की सौगात दी, 193 विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

केटी न्यूज/रोहतास



सीएम नीतीश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा के दौरान रोहतास को 379 करोड़ की लगभग 193 विकास परियोजनाओं की सौगात दी है। रोहतास जिले के चेनारी प्रखंड के बादलगढ़ में बुधवार को पहुंचे मुख्यमंत्री ने लगभग 268 करोड़ की लागत से पूर्ण 69 योजनाओं का उद्घाटन किया और 111 करोड़ की लागत से शुरू होने वाली 124 विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री रोहतास जिले के चेनारी, बिक्रमगंज, संझौली और सासाराम प्रखंड में चल रहे कई विकास कार्यों का भी जायजा लिया और जमीनी हकीकत से रूबरू हुए।

पर्यटकों के लिए करमचट इको टूरिज्म एंड एडवेंचर हब: सीएम सबसे पहले चेनारी प्रखंड के बादलगढ़ पहुंचें। जहां उन्होंने 50 करोड़ की लागत से बने दुर्गावती इको टूरिज्म और एडवेंचर हब तथा हाट एयर बैलून का उद्घाटन किया। साथ ही 271.19 लाख की लागत से बनने वाले बोट हाउस कैंप की आधारशिला रखी। इसके अलावा बादलगढ़ में खेल मैदान, मल्हीपुर पंचायत सरकार भवन परिसर स्थित तालाब निर्माण, सोख्ता निर्माण, पशु शेड, चेनारी प्रखंड के ग्राम बैरिया में महादलित सामुदायिक भवन, वर्क शेड, डाकघर, पुस्तकालय, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष और आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन कर विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण किया।

इंटीग्रेटेड फार्मिंग और उत्कर्ष बायो फ्यूल प्लांट का निरीक्षण : सीएम हेलीकॉप्टर से बिक्रमगंज के घुसियां खुर्द गांव पहुंचे। जहां उन्होंने इंटीग्रेटेड फॉर्मिंग और उत्कर्ष बायोफ्यूल प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान बिक्रमगंज स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालयों में एसीआर भवन, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोसिंयाकला में विद्यालय भवन निर्माण, विद्यालयों में बॉयज शौचालय समेत विभिन्न प्रखंडों में विद्यालय भवन, शौचालय, सामुदायिक भवन, वर्क शेड, राज्य कल्याण छात्रावास भवन, सबडिवीजन कार्यालय, उच्च स्तरीय आरसीसी पुल निर्माण, विद्यालयों में नवनिर्मित लैब, एसपी जैन महाविद्यालय में पुस्तकालय, गर्ल्स हॉस्टल, नौहट्टा में डिग्री कॉलेज के चारदीवारी और पीसीसी सड़क, जीविका ग्राम संगठन कार्यालय, दिनारा प्रखंड में प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय आदि का उद्घाटन किया।

रोहतास जिले में लोगों की मांगों के संबंध में घोषणाएं

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आप जानते हैं कि हम लोगों ने रोहतास जिले में विकास का काफी काम किया है। जो भी कुछ छूट गया है या कमी रह गई है, उसे पूरा किया जाएगा। रोहतास प्रखंड अंतर्गत रेहल से रोहतासगढ़ किला होते हुए चौरासन मंदिर तक पथ का निर्माण किया जाएगा। इससे देशी और विदेशी पर्यटकों को सुविधा होगी। साथ ही लोगों के आर्थिक विकास में गति आएगी। संझौली प्रखंड में वाजिदपुर में कॉव नदी पर पुल का निर्माण किया जाएगा। इससे वाजीतपुर, चरपुखा, छलकार और चवरीया गांव के लोगों को सुविधा होगी तथा इनकी अनुमंडल मुख्यालय से दूरी लगभग 71 किमी कम हो जाएगी। वर्तमान में इनको प्रखंड मुख्यालय जाने के लिए नाव का उपयोग करना पड़ता है। कुदरा-चेनारी-मल्हीपुर पथ का चौड़ीकरण किया जाएगा। इससे ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी। करगहर-बड़हरी-धर्मपुरा पथ का जीर्णोद्धार एवं चौड़ीकरण किया जाएगा। सड़क की काफी जर्जर है। इससे बड़ी आबादी को सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। बरांव-जहानाबाद पथ का जीर्णोद्धार और चौड़ीकरण किया जाएगा। सड़क की काफी जर्जर है। इससे बड़ी आबादी को सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। इंद्रपुरी जलाशय के पास पर्यटन हाट का निर्माण किया जाएगा। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

नौवीं फेल को जनता कैसे मान ले नेता : मंत्री दिलीप

केटी न्यूज/जहानाबाद



बिहार में इसी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में जहानाबाद के गांधी मैदान में एक विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें एनडीए के सभी सहयोगी दलों के प्रदेश अध्यक्षों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव पर जमकर निशाना साधा गया और बिहार सरकार की उपलब्धियों को गिनाया गया। इस कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं मंत्री दिलीप जायसवाल ने विपक्ष पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार मजबूती से काम कर रही है और सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली समेत हर क्षेत्र में व्यापक विकास कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास न कोई ठोस मुद्दा है और न ही कोई स्पष्ट सोच।

तेजस्वी यादव की शैक्षणिक योग्यता पर उठे सवाल : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने अपने संबोधन में तेजस्वी यादव की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर आपके परिवार का बेटा नौवीं फेल रहेगा तो क्या उसे चपरासी की भी नौकरी मिलेगी। ऐसी स्थिति में तेजस्वी यादव जो खुद नौवीं फेल हैं, उन्हें नेता कैसे माना जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने तेजस्वी यादव की माई बहन योजना पर कटाक्ष कर कहा कि जब वह सत्ता में ही नहीं आएंगे, तो योजना कहां से लाएंगे। और इसके लिए पैसा कहां से आएगा। उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए सरकार में पहले से ही महिलाओं, बुजुर्गों और समाज के हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और सीएम नीतीश के नेतृत्व में बिहार में जितना विकास हुआ है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का मतलब ही रोजगार है और आज बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और बिजली के क्षेत्र में बड़े बदलाव आए हैं। उन्होंने विपक्ष पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज विरोधी दल के नेता अफवाह फैला रहे हैं।

गरजे तेजस्वी... निष्क्रिय हो चुकी है नीतीश सरकार, चंद अधिकारी व नेता खजाना लुटने में जुटे



नालंदा। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बुधवार को नालंदा पहुंचे, जहां उन्होंने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब वह जी-20 सम्मेलन में थे, तब कहते थे कि सरकारी नौकरी देना असंभव है। लेकिन हमने अपने 17 महीने के कार्यकाल में गांधी मैदान से ऐलान कराया और उसी मैदान में नियुक्ति पत्र भी बांटे। जो असंभव लग रहा था, हमने उसे संभव कर दिखाया। तेजस्वी ने कहा कि सीएम अब उम्रदराज हो चुके हैं और राज्य को सही तरीके से नहीं चला पा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार में विकास ठप हो चुका है, गरीबी, पलायन और महंगाई चरम पर है। स्मार्ट मीटर और जमीन सर्वेक्षण से लोग परेशान हैं। तेजस्वी ने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि एनडीए सरकार के पास काम करने की इच्छाशक्ति नहीं बची है। उन्होंने बिहार सरकार की तुलना पुरानी हो चुकी गाड़ियों से की। कहा कि जैसे सरकार 15 साल पुरानी गाड़ियों को चलाने की इजाजत नहीं देती क्योंकि वह खटारा हो जाती हैं और प्रदूषण फैलाती हैं और बार-बार सर्विसिंग की जरूरत पड़ती है। इसी तरह पिछले 20 साल बिहार में चल रही सरकार अब भी अब निष्क्रिय हो गई है। चाचा केवल नाम की ही मुख्यमंत्री हैं। असली सत्ता तो चंद अधिकारी और नेता चला रहे हैं। वह सरकारी खजाने की लूट में लगे हैं।

स्कूल जा रहे भाई-बहन को कार ने रौंदा, बच्चे की मौके पर ही मौत

औरंगाबाद। औरंगाबाद में स्कूल जा रहे भाई-बहन को एक अनियंत्रित कार ने रौंद दिया। इस हादसे में भाई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-19 जीटी रोड पर मदनपुर थाना क्षेत्र में मिठईया गांव के पास की है। मृतक की पहचान मिठईयां गांव निवासी शंभू चौधरी के पुत्र शिवम कुमार (10) के रूप में की गई है। शिवम अपनी छोटी बहन संध्या (5) के साथ गांव के पास ही स्थित स्कूल जा रहा था। इसी दौरान सड़क पार करते वक्त अनियंत्रित कार ने भाई-बहन को रौंद डाला। दुर्घटना में भाई की मौके पर ही मौत हो गई और बहन गंभीर रूप से घायल हो गई।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर के घर पर पहुंची एनआईए, देश में खपाता था जाली नोट, पाकिस्तान से जुड़े हैं तार

केटी न्यूज/भागलपुर



राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार सुबह भागलपुर में जाली नोट के कारोबार से जुड़े आरोपितों के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई इशाकचक थाना क्षेत्र के भीखनपुर इलाके में की गई, जहां एनआईए की टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से नजरे सद्दाम के घर की तलाशी ली और परिजनों से पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी बिहार के मोतिहारी में पिछले साल सितंबर 2024 में हुए एक बड़े खुलासे के बाद की गई, जब भारत-नेपाल सीमा के पास पुलिस ने दो लाख रुपये के जाली नोटों के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें भागलपुर निवासी नजरे सद्दाम भी शामिल था, जो एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर होने के बावजूद जाली नोटों के नेटवर्क का हिस्सा बना हुआ था।

पाकिस्तानी एजेंटों से कनेक्शन: जांच एजेंसी को ऐसे पुख्ता सबूत मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि जाली नोटों का नेटवर्क पाकिस्तान और कश्मीर में सक्रिय देशविरोधी संगठनों से जुड़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि नजरे सद्दाम नेपाल के भोरे गांव में दो स्थानीय तस्करों के जरिए पाकिस्तानी एजेंटों से मिला था और उन्हीं की मदद से जाली नोटों को भारत में सप्लाई करता था।

कश्मीर तक पहुंचा था नेटवर्क: एनआईए की जांच में यह भी सामने आया है कि नजरे सद्दाम पहले भी दिल्ली होते हुए कश्मीर के अनंतनाग तक जाली नोटों की खेप पहुंचा चुका था। वहां उसकी मुलाकात उग्रवादी संगठनों से जुड़े लोगों से हुई थी। वह नेपाल के संतोष सहनी के माध्यम से रुपये लेकर कश्मीर के सरफराज तक पहुंचाता था, जो इन पैसों का इस्तेमाल उग्रवादी गतिविधियों में करता था।

59,901 लाभार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी

बिहार लघु उद्यमी योजना का पोर्टल लॉन्च, शुरू हुई ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया : मंत्री

♦ जिनकी मासिक आय 6 हजार से कम है। इसमें प्रत्येक लाभार्थी को दो लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता तीन किश्तों में दी जाएगी

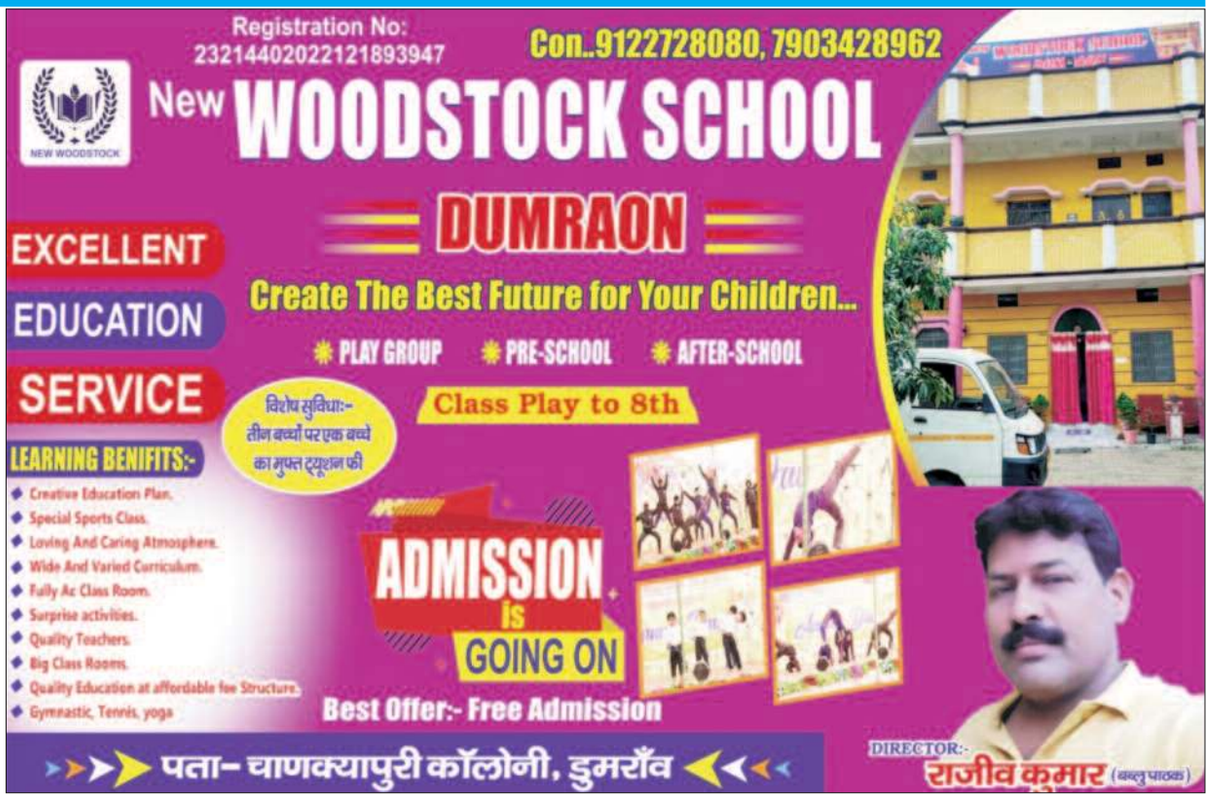
केटी न्यूज/पटना



उद्योग विभाग ने बुधवार को बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में पोर्टल का शुभारंभ किया गया। इस योजना के तहत लगभग 59,901 लाभार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, जिसके लिए 299.50 करोड़ की राशि वितरित की जाएगी।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल : उद्योग एवं पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने योजना के शुभारंभ के दौरान कहा कि बिहार लघु उद्यमी योजना का उद्देश्य राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि हर योग्य व्यक्ति इस योजना का लाभ उठाए और अपने पैरों पर खड़ा हो सके। मंत्री ने कहा कि योजना का लाभ किसी भी जाति, धर्म या लिंग के व्यक्ति को मिल सकता है।

योजना की मुख्य विशेषताएं : यह योजना उन परिवारों के लिए शुरू की गई है, जिनकी मासिक आय 6,000 से कम है। इसमें प्रत्येक लाभार्थी को दो लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता तीन किश्तों में दी जाएगी। प्रथम किस्तः 50,000 (उद्यम स्थापना के लिए), द्वितीय किस्तः एक लाख रुपये (प्रथम किस्त के उपयोग के बाद) और तृतीय किस्तः 50,000 (द्वितीय किस्त के उपयोग के बाद)। आवेदकों को 61 पूर्व-निर्धारित परियोजनाओं में से किसी एक का चयन करना होगा। योजना की आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। जबकि चयन कंप्यूटराइज्ड रैंडमाइजेशन के जरिए किया जाएगा। जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे। आवेदक बिहार का स्थायी निवासी होना चाहिए। आयु सीमा 18 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए। परिवार का कोई अन्य सदस्य मुख्यमंत्री उद्यमी योजना या बीएलयूवाई का लाभार्थी नहीं होना चाहिए।







महाकुंभ मेले को लेकर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा उपायों को और मजबूत करें : जिलाधिकारी

- जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने बक्सर स्टेशन का किया निरीक्षण
- अधिकारियों ने सुरक्षा का लिया जायजा, दिए निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर



प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेला के अवसर पर रेलवे मार्ग से आने जाने वाले श्रद्धालुओं को बक्सर रेलवे स्टेशन पर भीड़ के मद्देनजर मंगलवार को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से बक्सर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने स्टेशन परिसर का निरीक्षण करते हुए भीड़ प्रबंधन की मौजूदा व्यवस्था, सुरक्षा उपायों की गहन समीक्षा की। इस क्रम में स्टेशन पर दोनों तरफ के आवागमन को देखते हुए नियमित रूप से माइकिंग कराने, रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने, अंतिम समय में प्लेटफार्म बदलने से बचने का निर्देश दिया। कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए स्थानीय स्टेशन मास्टर रेलवे के वरीय पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर स्टेशन के दृष्टिगोचर स्थान पर आने जाने वाले ट्रेनों के अद्यतन कराने वाले साइनेज व डिस्प्ले लगवाना सुनिश्चित करें।

वहीं, एसपी ने स्टेशन मास्टर एवं अन्य को निर्देश दिया कि अवकाश के दिन विशेष कर आगामी शनिवार, रविवार एवं महाशिवरात्रि के दिन प्रयागराज जाने वाले यात्रियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हो सकती है। उक्त अवसरों पर पुलिस बल की पर्याप्त संख्या में प्रतिनियुक्ति कर सतर्कता बरते हुए ट्रेनों के आवागमन एवं भीड़ प्रबंधन करना सुनिश्चित करें।

ट्रेन में तोड़फोड़ करने की प्राप्त हो रही है सूचना : एसपी शुभम आर्य ने कहा कि विगत दिनों में असामाजिक तत्वों द्वारा ट्रेन में तोड़फोड़ करने की सूचना प्राप्त हो रही है। इस संबंध में रेल पुलिस एवं रेल कर्मी महाकुंभ मेला तक सतर्कता बरतते हुए विधि व्यवस्था का संधारण करना सुनिश्चित करेंगे। वहीं, स्टेशन परिसर एवं प्लेटफार्म पर अधिष्ठापित सीसीटीवी के संबंध में पूछताछ के दौरान स्टेशन प्रबंधक ने बताया कि कुल 34 सीसीटीवी लगाए गए हैं। एसपी ने निर्देश दिया कि सभी सीसीटीवी कैमरा को क्रियाशील रखने एवं नियंत्रण कक्ष के माध्यम से सतत अनुश्रवण करना सुनिश्चित करें। वहीं, प्रयागराज जाने वाले यात्रियों के सुविधा हेतु स्टेशन परिसर में लगाए गए टेंट (आश्रय स्थल) के निरीक्षण के क्रम में निर्देश दिया कि ठहरने वाले यात्रियों के सुविधा हेतु पेयजल इत्यादि की व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें। इस दौरान विशेष कार्य पदाधिकारी बक्सर, स्टेशन मास्टर, पुलिस निरीक्षक (आरपीएफ), ट्रैफिक इंस्पेक्टर (रेलवे) एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन करना सुनिश्चित करें

निरीक्षण के क्रम में पालीवार प्रतिनियुक्ति मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया कि नियमित रूप से पालीवार उपस्थित रहकर स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन करना सुनिश्चित करेंगे। ताकि किसी भी प्रकार की कोई आपात स्थिति उत्पन्न नहीं हो। साथ ही प्रतिनियुक्ति सभी दंडाधिकारी अपना पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लगाना सुनिश्चित करेंगे। इस दौरान रेलवे ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने जिलाधिकारी व एसपी को अवगत कराया कि ट्रेन आने जाने के क्रम में पूरब दिशा की ओर रेलवे क्रॉसिंग का गेट बंद होने पर ट्रैफिक की अत्यधिक भीड़ हो जाती है। इसके लिए उन्होंने अतिरिक्त पुलिस बल प्रतिनियुक्त करने का अनुरोध किया। इस संबंध में एसपी ने से पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

कोरानसराय थाना क्षेत्र के स्थानीय बाजार में चोरों ने बड़ी वारदात को दिया अंजाम

स्प्रे कटर से काटा ज्वेलरी शॉप का ताला 8 लाख के गहनों के साथ चुराई नगदी

- घटना के बाद आक्रोशित है व्यवसायी व दुकानदार
- मामले के उद्भेदन के लिए लिया गया एफएसएल टीम का सहारा

केटी न्यूज/डुमरांव

सीसीटीवी में कैद हुआ एक संदिग्ध



कोरानसराय में चोरों ने चोरी की भीषण घटना को अंजाम दिया है। चोरी की यह वारदात कोरानसराय थाना से महज 500 मीटर दूर डुमरांव बिक्रमगंज मुख्य पथ के किनारे घटित हुई है। चोरों ने स्प्रे कटर से दुकान का व तिजोरी का ताला काट करीब आठ लाख रूपए मूल्य के आभूषण तथा 30 हजार रूपए नगद चुरा लिए है। इस घटना के बाद इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में चोर उचक्के सक्रिय है तथा पिछले एक माह के दौरान चोरी की यह तीसरी वारदात है।

मिली जानकारी के अनुसार कोरान सराय निवासी राजेश वर्मा कोरानसराय बाजार में मुख्य पथ के किनारे स्थित हनुमान मंदिर के पीछे कृति ज्वेलर्स नाम से आभूषण दुकान संचालित करते है। मंगलवार की रात वे दुकान का ताला बंद कर अपने घर चले गए थे। देर रात चोरों ने उनके दुकान के आगे एक बेडशीट का पर्दा लगा स्प्रे कटर से पहले दुकान के मुख्य गेट में लगे ताला तथा बाद में तिजोरी के ताला को काट चोरी की इस वारदात को अंजाम दिया है।

सुबह में जब आस पास के लोगों की नींद खुली तथा दुकान का ताला टूटा देखा तो चोरी की बात समझ में आई तथा आस पास के लोगों ने ही राजेश को फोन कर इस घटना की जानकारी दी। जानकारी होते ही वह दौड़े भागे दुकान पहुंचा तथा स्थानीय पुलिस को घटना से अवगत कराया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची तथा जांच पड़ताल में जुट गई है। कोरानसराय पुलिस ने इस घटना को चुनौती के रूप में लिया है तथा मामले के उद्भेदन व घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एफएसएल टीम का सहारा लिया है।

सहमे हुए है आस पास के दुकानदार : चोरी की इस वारदात के बाद आस पास के दुकानदार सहमे हुए है। दुकानदारों का कहना है कि इसके पूर्व भी हाल के दिनों में चोरी की कई घटनाएं हो चुकी है। ग्रामीणों तथा दुकानदारों ने बताया कि एक माह पूर्व कृष्ण कुमार के मोबाईल दुकान में तथा एक सप्ताह पूर्व एक किराना दुकान में भी चोरी की घटनाएं हुई थी। वही, अब तीसरी घटना होने के बाद दुकानदारों में भय व्याप्त है।

दर्ज कराई प्राथमिकी

इस संबंध में पीड़ित ज्वेलर्स राजेश वर्मा ने स्थानीय थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़ित ने बताया है कि चोरों ने उसके दुकान से सोने का 60 पीस किल, 25 पीस नथुनी, 18 अंगूठी, 40 लाकेट, 12 मंगलसूत्र, तीन-तीन मंगटीका व नथिया, 20 जोड़ा झाला समेत 80 ग्राम के सोने के आभूषण के साथ ही चांदी के 80 पायल, 20 पाजेब तथा 18 सिकड़ी और दुकान में रखे नगद 30 हजार रूपए चुरा लिए है।

फुटेज में दिखा संदिग्ध

इस घटना को पुलिस ने चुनौती के रूप में लिया है। थानाध्यक्ष ने तत्काल मामले की तह तक पहुंचने के लिए एफएसएल टीम का सहारा लिया। मौके पर पहुंची एफएसएल टीम ने घटना स्थल से कई साक्ष्य इकट्ठा किए है। वहीं, पुलिस आस पास के सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाल रही है। इस दौरान एक संदिग्ध दिखाई पड़ा है। हालांकि, वह नकाबपोश है, जिस कारण उसकी शिनाख्त में फिलहाल पुलिस को मशक्कत करनी पड़ रही है।

> "चोरी की सूचना मिलते ही तत्काल एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल का मुआयना किया गया। चोरों के शिनाख्त के लिए आस पास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। इसके अलावे तनकीकी तरीके से भी अनुसंधान किया जा रहा है। जल्दी ही इस मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।
>
> **- अमित कुमार, थानाध्यक्ष, कोरानसराय**

जिला परिषद परिसर में अनधिकृत लोगों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग

बक्सर। जिला परिषद के प्रधान लिपिक आनंद कुमार सिंह ने डीडीसी को पत्र लिख परिसर में अनधिकृत व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने डीडीसी को दिए पत्र में इस बात का जिक्र किया है कि बक्सर के डाकबंगला में औचक भ्रमण के दौरान कई अनधिकृत व्यक्तियों को परिसर में बैठ कर राजनीतिक चर्चा करते हुये देखा जा रहा है। इनमें एक व्यक्ति चौसा निवासी अंबरीश कुमार तिवारी (जो पूर्व में जिला परिषद अध्यक्ष के निजी सहायक के रूप पारिश्रमिक वेतन पर कार्यरत था) भी शामिल है। जिसके द्वारा कई गंभीर एवं आपराधिक कृत्य किये जाने पर तत्कालीन उप विकास आयुक्त मोहन कुमार ने पदमुक्त किया था। जिसपर नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराया गया था। जिला परिषद कार्यालय के सभी कर्मी यहां तक कि डाकबंगला में कार्य करने वाले लाल बाबू प्रसाद, अनुसेवक सह केयर टेकर भी उनकी कार्यशैली से भली-भांति परिचित है और इस संबंध में इस सभी से जानकारी प्राप्त किया जा सकता है। दिए गए पत्र के अनुसार अंबरीश के अनाधिकृत रूप से डाकबंगला में आकर अन्य लोगों के साथ बैठना प्रशासनिक हित में उचित नहीं है। उसके परिसर में आये दिन उपस्थित रहना भविष्य में अन्य कई समस्याएं उत्पन्न कर सकती है और इससे जिला परिषद की छवि के साथ-साथ सदस्यों के सम्मान को ठेस पहुंच सकता है।

आपकी संजीदगी कई यात्रियों की यात्रा कर सकती है आसानः जीएम



केटी न्यूज/बक्सर

बुधवार को पूर्व-मध्य रेलवे हाजीपुर जोन के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह बक्सर स्टेशन पहुंचे। उन्होंने महाकुंभ स्नान करने जाने वाले यात्रियों की अनियंत्रित भीड़ से रेलवे प्लेटफार्म और ट्रेनों में वाजिब टिकट के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों की परेशानी के साथ बक्सर रेलवे स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा स्थानीय अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए।

महाप्रबंधक सुबह करीब 10:30 बजे के आसपास बक्सर रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म संख्या 3 पर अपने स्पेशल सैलून से पहुंचे, इस दौरान उन्होंने पूरे स्टेशन परिसर का बारीकि से निरीक्षण किया, इसके बाद वे बाहर निकले तथा बाहरी परिसर का अवलोकन भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यात्री सुविधा, साफ-सफाई, पैदल ऊपरगामी पुल, सकुर्लेटिंग एरिया सहित समस्त व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। वहीं, उन्होंने कुंभ स्नान करने जाने वाले यात्रियों से वाजिब टिकट कटाकर यात्रा करने तथा रेल नियमों का पालन करने का निर्देश दिया। जीएम ने यात्रियों से कहा कि आपकी संजीदगी कईयों की यात्रा आसान कर सकती है।

इसके अलावा उन्होंने स्थानीय अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि जो यात्री आरक्षित टिकट कटाए है, उन्हें ट्रेन पकड़ने और अपने सीट तक पहुंचने में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अलावे भी उन्होंने कई आवश्यक निर्देश दिए। गौरतलब हो कि हाल के दिनों में ट्रेनों में महाकुंभ स्नान करने जाने वालों की भारी भीड़ के चलते रेल यात्रियों को भारी फजीहत उठानी पड़ी है। रिजर्वेशन टिकट कंफर्म होने के बाद भी कई यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने में मशक्कत उठानी पड़ी है। जिस कारण रेलवे के अधिकारी लगातार बक्सर में निरीक्षण कर रहे है।

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

कृष्णाब्रह्म। स्थानीय रेलखंड के डुमरांव व टुड़ीगंज रेलवे स्टेशनों के बीच स्थित विवि गिरी हॉल्ट के समीप ट्रेन की चपेट में आ एक अधेड़ की मौत हो गई। घटना छतनवार मठिया के समीप बुधवार की सुबह 11 बजे डाउन लाइन पर पोल संख्या 639/24 के समीप हुई। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने जब शव को देखा तो इसकी सूचना रेल पुलिस को दी। रेल पुलिस ने इसे अपने क्षेत्राधिकार से बाहर का मामला बताते हुए कृष्णाब्रह्म पुलिस को शव उठाने का जिम्मा सौंपा। इस बीच स्थानीय पुलिस व रेल पुलिस के बीच तीन घंटे तक सीमा क्षेत्रको ले विवाद होते रहा। अंत में कृष्णाब्रह्म पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा। समाचार लिखे जाने तक उक्त शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शव के शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

मानवता की मिसालः डॉ. पीके पांडेय की मदद से गरीब की बेटी ने लिये सात फेरे

- समारोह को संपन्न कराने में पूर्व सैनिकों की निभाई महती भूमिका

केटी न्यूज/डुमरांव



चर्चित कोपवां धाम काली मंदिर में मंगलवार को शुभ लग्न में एक जरूरतमंद की बेटी का विवाह संपन्न हुआ। रिटायर्ड सैनिकों की मदद से गरीब की बेटी ने सात फेरे लिए। रिटायर्ड सैनिक संघ (आईईएसएम) के हेल्थ केयर शाहाबाद जोन अध्यक्ष सह मां मुंडेश्वरी अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ मेजर डॉ. पीके पांडेय ने अहम भूमिका निभाई।

शादी समारोह में अन्य पूर्व सैनिकों ने मानवता का हाथ बढ़ाया और कई सामानों को उपहार स्वरूप दिया। वर के रूप में ग्राम बसउर निवासी परशुराम मिश्रा के पुत्र गोलू मिश्रा व कन्या के रूप में कजिया गांव निवासी आलोक मिश्रा की पुत्री अंबा कुमारी ने अपनी जीवन की नवीन शुरूआत करते हुए वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ अग्नि के फेरे लिए। मौके पर मेजर पीके पांडेय ने कहा कि समाज के हर सामर्थ्यवान को जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। इससे उनका बोझ कम होता है। आईईएसएम पूर्व सैनिकों की मदद के साथ ही हर समय समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए खड़ा रहती है। मानवता की सेवा से बड़ा धर्म नहीं होता है। उन्होंने कहा कि वे तथा उनका संगठन हर समय ऐसे नेक कार्यों के लिए तन-मन और धन से सहयोग करता है। मौके पर वर वधू पक्ष के लोगों ने इस कार्य के लिए आईईएसएम और डॉ. पीके पांडेय व जिला सचिव विद्यासागर चौबे के प्रति आभार जताया। शादी संपन्न होने के बाद पूर्व सैनिकों ने वर-वधु को आशीर्वाद देते हुए सुनहरे भविष्य की कामना की। इस दौरान डॉ. सेतु सिंह, जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्यासागर चौबे, अनुमंडल अध्यक्ष सूबेदार कमलेश्वर राय, संयोजक रामनाथ सिंह, नायाब सूबेदार धनंजय दुबे, समाजसेवी सुनील कुमार, आनंदन ओझा व अन्य मौजूद रहे।



जिले में हुई धान अधिप्राप्ति की जिलाधिकारी ने की समीक्षा, जताई नाराजगी; बोले...

15 अप्रैल तक 100 प्रतिशत कराएं सीएमआर की आपूर्ति

- महज 54.56 प्रतिशत ही हुई है धान की खरीद

केटी न्यूज/बक्सर



जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में बुधवार को धान अधिप्राप्ति की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। बैठक में बताया गया कि बक्सर जिला का कुल धान अधिप्राप्ति का लक्ष्य 153799 एमटी है। लक्ष्य के विरुद्ध कुल खरीदारी 83923.517 एमटी हुआ है जो लक्ष्य का 54.56 प्रतिशत है।

अधिप्राप्ति किए गए धान का समतुल्य सीएमआर 56,950.49 एमटी 1983 लॉट होता है। अब तक पैक्स व व्यापार मंडल द्वारा कुल 14181 एमटी यानी 489 लॉट सीएमआर की आपूर्ति राज्य खाद्य निगम बक्सर को किया गया है। जिलाधिकारी ने सहकारिता पदाधिकारी एवं जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम बक्सर को निर्देश दिया कि शेष बचे सीएमआर की कार्य योजना बनाकर आज से 15 अप्रैल तक शत प्रतिशत सीएमआर आपूर्ति कराना सुनिश्चित करेंगे।

वहीं, अब तक लक्ष्य के मात्र आधे धान की अधिप्राप्ति पर डीएम ने नाराजगी जताई और कहा कि किसानों के धान को खरीदना पैक्स तथा व्यापार मंडल की जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि किसानों की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए।

हालांकि, अब तक धान खरीद की जो रफ्तार रही है उससे शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना मुश्किल काम बन गया है। बता दें कि अप्रैल महीने में गेहूं की कटाई भी शुरू हो जाएगी। जिस कारण किसान अपने धान को समय रहते बिचौलियों के हाथों बेचने को मजबूर हो रहे है। जानकारों का कहना है कि अधिकांश किसान अपने धान को बेच चुके हैं। सरकारी स्तर पर धान की खरीद की धीमी रफ्तार से किसानों में नाराजगी है।

वहीं, दूसरी ओर किसानों का कहना है कि यदि निजी व्यापारी उनके धान को नहीं खरीदेंगे तो धान बिकना मुश्किल है। उनके अनुसार हर साल उन्हें समय पर धान खरीद का सिर्फ आश्वासन मिलता है, लेकिन कभी भी धान खरीद समय पर नहीं हो पाती है। जिस कारण उन्हें धान बेचने के लिए परेशान होना पड़ता है। बैठक में अपर समाहर्ता विभागीय जांच बक्सर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी बक्सर, जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम बक्सर एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।



केसठ-सोनवर्षा मुख्य पथ पूरी तरह जर्जर, आवागमन में वाहन चालकों को हो रही परेशानी

केटी न्यूज/केसठ

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत प्रखंड में कई सड़कें बनी हैं, लेकिन वर्षों से उपेक्षित केसठ सोनवर्षा मुख्य सड़क की स्थिति दयनीय हो चुकी है। लोगों को इस पथ पर आवाजाही करने में काफी परेशानी होती है। जगह-जगह गड्ढे हो गए है। इसकी वजह से इस सड़क से गुजरनेवाले लोगों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है।

क्षेत्र के लोगों ने सड़क निर्माण के लिए कई बार गुहार लगाई।



आश्वासन तो मिला, लेकिन हुआ कुछ नहीं। ग्रामीणों के पास इंतजार करने के अलावा दूसरा विकल्प ही नहीं है। लोगों ने जनप्रतिनिधियों की अनदेखी को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। इस सड़क से जमुआ टोला, दंगौली, पोखरा टोला, महादेवगंज, डिहरा, राजापुर, धेनुआडीह सहित अन्य गांवों के लोग प्रत्येक दिन इस मार्ग से सोनवर्षा व राज्य के बिभिन्न हिस्सों में जाते है। यह मार्ग केसठ से सोनवर्षा एनएच 319 को जोड़ता है। दूसरी ओर वाहन चालक सड़क खराब होने की दुहाई दे मनमाने भाड़े वसूलते है। वहीं यात्री तब तक भगवान का नाम जपते है जब तक अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच जाते। काफी दिनों से जर्जर हालत में पड़ा यह मार्ग इस बार चुनावी मुद्दा बन सकता है। इसका खामियाजा चुनाव में आने वाले नेताओं को भुगतना पड़ सकता है।

सड़क की समस्या से जूझ रहे लोगों ने नेताओं और प्रशासन पर जताई नाराजगी



“ नेताओं को जनता की समस्या से कोई लेना-देना नहीं है। जर्जर सड़क को लेकर किसी भी प्रकार की दिलचस्पी नहीं दिखाई जाने की वजह से सड़क की हालत दिन प्रतिदिन जर्जर होती जा रही है। समस्या समाधान के लिए ठोस कदम उठाना चाहिए था।

– सोनू तिवारी



“ जर्जर सड़क के कारण इलाके के लोगों को रोजाना जान जोखिम में डालकर यात्रा करनी पड़ रही है। सड़क में काफी गढ़े निकल आए है। जिससे आएदिन दुर्घटना होती रहती है। जनप्रतिनिधियों को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

– रजनीश कुमार



“ चुनाव के समय जनप्रतिनिधियों को इस सड़क की याद आती है। उसके बाद जनप्रतिनिधि इस सड़क की मरम्मत करने को लेकर किसी भी प्रकार का कदम नहीं उठाते। इस कारण बरसात में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

– विजय यादव



“ सड़क की स्थिति पूरी तरह से जर्जर है। जिससे स्थानीय लोगों के साथ साथ अन्य राहगीरों को आवाजाही में परेशानी उठानी पड़ती है। कई बार सड़क निर्माण कराने के लिए आवाज उठाई गई है। आगे भी यह प्रयास जारी रहेगा।

– सुमेशर यादव, राजद प्रखंड अध्यक्ष

थाने के मॉडल भवन के लिए साइट प्लान हुआ तैयार

खुशखबरी: जी3 स्ट्रक्चर पर बनेगा नया भोजपुर थाने का मॉडल भवन

- 23 वर्ष बाद नया भोजपुर थाने को मिलेगा भवन, प्रक्रिश शुरू
- एसपीटी की प्रक्रिया के लिए निजी कंपनी को पुलिस भवन निर्माण निगम को भेजा पत्र

केटी न्यूज/डुमरांव

23 साल बाद नया भोजपुर थाने को अपना भवन मिलेगा। शुक्रवार से नए मॉडल भवन के निर्माण की प्रारंभिक कवायद शुरू कर दी गई है। थाने का भवन निर्माण जी+3 स्ट्रक्चर के आधार पर होगा। पहले चरण में एसपीटी यानि मिट्टी जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। मिट्टी जांच के लिए सैंपल पटना लैब भेजा जाएगा जिसके बाद जारी रिपोर्ट के आधार पर निर्माण योजना का डीपीआर तैयार होगा। डीपीआर तैयार होते ही निविदा का प्रकाशन कर निर्माण एजेंसी चुनकर कार्य को शुरू करा लिया जाएगा। इस संबंध में डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि सारे तकनीकी प्रोसेस को निबटाकर मार्च माह से भवन निर्माण कार्य शुरू करा लिए जाने की योजना है।

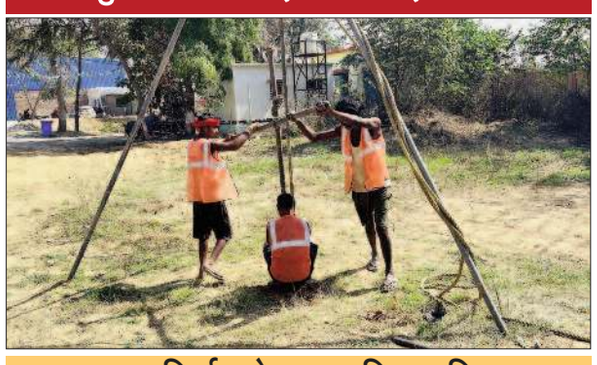
मिट्टी जांच का कार्यभार निजी कंपनी को सौंपा : थाने के नए मॉडल भवन निर्माण के लिए एसपीटी मिट्टी जांच (स्टैंडर्ड पेनेट्रेशन टेस्ट) का जिम्मा शुभम कंसलटेंस नाम की निजी कंपनी को सौंपी गई है। इस बाबत बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम ने पत्रांक 3118 दिनांक 4 फरवरी 2025 के माध्यम से निर्देश जारी कर निर्माण कार्य हेतु मिट्टी जांच का कार्यभार निजी कंपनी को सौंपा है। पत्रानुसार जी+3 स्ट्रक्चर पर नया भोजपुर थाने का नया भवन आधारित होगा। थाने के मॉडल भवन के लिए साइट प्लान भी तैयार कर लिया गया है। थाने के कुल कैंपस की लंबाई 180 फीट और चौड़ाई 190 फीट है। इसमें 100 फीट लंबा और 80 फीट चौड़े भवन का निर्माण होगा।

पेपर मिल के भवन में 22 वर्षों से चल रहा है थाना : फिलहाल नया भोजपुर थाने के पुलिस अधिकारी व कर्मचारी दूसरों की सुरक्षा की गारंटी तो दे रहे हैं, लेकिन खुद असुरक्षित है। थाना जर्जर पेपर मिल के छोड़े हुए भवन में 22 वर्षों से चल रहा है। दीवारें भरभराकर गिर रही हैं। तेज बारिश होती है तो छतों से पानी टपकता है। दिन हो या रात हमेशा सांप-बिच्छु निकलते रहते है। थाना का सिरिस्ता, थाना प्रभारी कक्ष और हाजत एक ही हॉल में है। हाजत में दो से अधिक अपराधी को रखा जाए, तो दम घुटकर मौत हो जाए। सिरिस्ता ही मालखाना है, पानी टपकने से कागज भी सड़ने लगा है। दीवारों में उलझे नंगे तारों से बारिश में दीवारों पर बिजली की करंट भी दौड़ता है। जो हमेशा बड़े हादसे को दावत दे रहा है। स्थापना के बाद से 14 थानाध्यक्ष बदले, पर स्थिति यथावत है।

नागरिकों को मिल सकेंगी बेहतर सेवाएं : थाने के मॉडल भवन में अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी, जिससे पुलिस प्रशासन को अधिक प्रभावी और नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। इस भवन में डिजिटल शिकायत केंद्र, सीसीटीवी निगरानी कक्ष, महिला सहायता कक्ष, बाल संरक्षण इकाई, वेटिंग एरिया और आधुनिक कार्यालय सुविधाएं शामिल होंगी। भवन में हाई-टेक कमांड सेंटर स्थापित किया जाएगा, जहां से पूरे क्षेत्र की सुरक्षा निगरानी की जा सकेगी। ई-एफआईआर और ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की सुविधा भी उपलब्ध होगी, जिससे नागरिकों को थाना जाने की आवश्यकता न पड़े। वहीं, महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अलग से परामर्श और शिकायत निवारण कक्ष बनाए जाएंगे। मॉडल थाने में पुलिसकर्मियों के लिए आधुनिक आवासीय भी शामिल होंगी।

“ मॉडल भवन की तर्ज पर नया भोजपुर का थाना बनेगा, इसमें अत्याधुनिक सुविधाएं होगी। मिट्टी जांच की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मार्च तक इसमें काम भी लग जाएगा। इससे लोगों को प्रभावी सुविधाएं मिल सकेंगी। – अफाक अख्तर अंसारी, एसडीपीओ, डुमरांव

मिट्टी जांच के लिए भेजा जाएगा सैंपल



भवन निर्माण के बाद महिला पुलिस पदाधिकारियों की पदस्थापना की उम्मीद

नया भोजपुर थाने में उचित व्यवस्था के आभाव में यहां एक भी महिला पदाधिकारी या महिला सिपाही नहीं है, जिस कारण कई केसों में पुलिस को हिचकना भी पड़ता है। अब नए भवन निर्माण के बाद यहां महिला पुलिस पदाधिकारियों के भी पदस्थापना की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं थाने के जर्जर भवन से यहां तैनात पुलिसकर्मियों को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। अभी भी पुलिस पदाधिकारी जर्जर छत के नीचे ही सोने को मजबूर है। जर्जर भवन को देखते हुए नवनिर्माण की मांग पिछले कई वर्षों से चली आ रही थी। फिलहाल थाने में लगभग 20 पुलिस पदाधिकारी प्रतिनियुक्त है जो नए भवन के निर्माण पर काफी खुश है। कयास यह लगाए जा रहे है कि इस वर्ष के अगस्त-सितंबर तक थाने का नया भवन बनकर तैयार हो जाएगा।

22 को बक्सर आएंगे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे

केटी न्यूज/बक्सर

22 फरवरी को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बक्सर आ रहे है। वे जिले के दलसागर खेल मैदान में 12.30 बजे पहुचेंगे तथा जनसभा को संबोधित करेंगे।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटि के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार पांडेय की अध्यक्षता में कार्यक्रम की तैयारी समिति की बैठक जिला कार्यालय बक्सर पर की गई। 51 सदस्यीय तैयारी समिति के सदस्यों की उपस्थिति में सभी सदस्यों को अलग-अलग कार्यों की जिम्मेदारी दी गई। डॉ. पांडेय ने बताया कि सभी सदस्यों को अपनी भूमिका निभाने के लिए कार्यों का बंटवारा किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी सदस्य अपने-अपने कार्य में लग गए हैं। डॉ पांडेय ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का कार्यक्रम विशाल जनसभा दलसागर के मैदान में दोपहर 12.30 बजे से शुरू होगा। वहीं बक्सर सदर विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी एवं राजपुर विधायक विश्वनाथ राम ने बक्सर जिला के तमाम जनता से आह्वान किया कि वे शनिवार को दलसागर के मैदान में पहुंचकर जय बापू जय भीम जय संविधान महासम्मेलन में शामिल हो।



वहीं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य डॉ प्रमोद कुमार ओझा विनय कुमार सिंह, डॉ. सत्येंद्र ओझा, बिहार युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी, बक्सर जिला युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण उपाध्याय आदि ने कहां कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया जाएगा। वे पहली बार बिहार आ रहे है। बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता भोला ओझा, कामेश्वर पांडेय, त्रियोगी मिश्र, वीरेंद्र राम, महिमा उपाध्याय, राम प्रसाद द्विवेदी, अजय यादव, महेंद्र चौबे, राजा रमन पांडेय, राजू वर्मा, निर्मला देवी, संजय पांडेय, कंचन कुमार, सुरेश प्रसाद जायसवाल, संजय कुमार दुबे, त्रिलोकी मिश्रा, भृगुनाथ तिवारी, वार्ड पार्षद संतोष उपाध्याय, शिवाकांत मिश्रा, गुप्तेश्वर चौबे सहित कई अन्य कांग्रेसी मौजूद थे।

नशे में हंगामा करता नशेड़ी गिरफ्तार

केसठ। स्थानीय थाना के केसठ गांव से पुलिस ने शराब के नशे में हंगामा करते एक नशेडी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नशेड़ी रोहतास जिले के मिल्की गांव निवासी गुड्डू कुमार बताये जा रहा है। इसकी पुष्टि करते हुए नावानगर थानाध्यक्ष नन्दू कुमार ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा दूरभाष पर सूचना दिया गया था कि एक नशेड़ी शराब के नशे में हंगामा कर रहा है। सूचना पर तत्काल पहुच कर नशेड़ी को हिरासत में लेकर उसका मेडिकल कराया गया। मेडिकल में शराब की पुष्टि होने के बाद कोर्ट भेज दिया गया।

कोरानसराय में दो पक्षों के बीच चले लाठी-डंडे

केटी न्यूज/डुमरांव

- दोनों पक्षों ने दर्ज कराई प्राथमिकी, 39 नामजद

कोरानसराय थाना क्षेत्र के कोरानसराय गांव में दो पक्षों के बीच आपसी विवाद इस कदर बढ़ गया कि दोनों तरफ से जमकर लाठी-डंडे चलने लगे। मारपीट की इस घटना में करीब आधा दर्जन लोग जख्मी हो गये। जिनका इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया गया।

वहीं, घटना के बाद दोनों पक्षों ने स्थानीय थाने में अलग-अलग आवेदन देकर 39 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

घटना को लेकर एक पक्ष के मुराद हुसैन ने पुलिस को बताया है कि मेरे ही मोहल्ले के वारीक मियां, नूर आलम, आसिफ आलम सहित 22 नामजद लोग मेरे घर पर आ घुसे तथा मेरे और मेरे परिजनों के साथ गाली-गलौज करने लगे। जब मैंने इसका विरोध किया तो नामजदों द्वारा लाठी-डंडे से हमला कर दिया। जिसमें मेरे परिवार के कई लोग जख्मी हो गये।

वहीं दूसरे पक्ष के अब्दुल वारीक ने पुलिस को दिये अपने आवेदन में बताया कि सलीम मियां, मजीद मियां सहित पांच नामजद व एक दर्जन अज्ञात लोग दरवाजे पर आ धमके तथा गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी है। जिसमें मेरे और मेरे पुत्र सहित तीन लोग जख्मी हो गये। कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि पुलिस दोनों पक्षों के आवेदन पर मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल में जुट गयी है।









संक्षिप्त समाचार

साइकिल से 12 ज्योतिर्लिंग व चारधाम की यात्रा पर निकला युवक

गिरिडीह, एजेंसी। लखनऊ का युवक सूरज सोनी साइकिल से चारधाम, वैष्णो देवी, 12 ज्योतिर्लिंग व अमरनाथ की यात्रा कर रहा है। इसी दौरान वह मंगलवार को गावां बाइपास रोड में ठहरा हुआ था। स्थानीय लोगों ने उसे आर्थिक सहयोग किया। सूरज सोनी ने बताया कि लखनऊ से उसने अपनी यात्रा शुरू की थी, जो लगातार जारी है। वह 25 हजार किमी यात्रा साइकल से कर चारधाम पहुंचेगा। जिन शहरों से भी वह गुजर रहा है, वहां के लोग फूल-माला पहनाकर उसका सम्मान कर रहे हैं। सूरज सोनी ने बताया कि लखनऊ से सबसे पहले वह बुलेश्वर पहुंचा। जहां मन मे आया कि पहले प्रयागराज चलते हैं। प्रयागराज में संगम पर स्नान के बाद बनारस होते हुए वह देवघर जा रहा है। बुधवार को देवघर में बाबा को जल चढ़ाकर वह आगे की यात्रा पर निकलेगा। यात्रा के दौरान वह सांवरिया सेठ, खाटू श्याम समेत अन्य धार्मिक स्थलों पर भी जाएगा।

कैलाश हॉस्पिटल में इलाज के दौरान महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के बरटांड़ हाउसिंग कॉलोनी स्थित कैलाश हॉस्पिटल में मंगलवार को 68 वर्षीय महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद मृतका के परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। उनका कहना था कि इलाज में डॉक्टर की लापरवाही के कारण बुजुर्ग महिला की जान चली गई। डॉक्टर ने मरीज को एनेस्थिसिया का ओवर डोज दे दिया। मृतका गंगोत्री देवी बरवाअड्डा के छोटा पिछड़ी की रहनेवाली थी। गंगोत्री देवी के कंधे की हड्डी टूटने के बाद परिजनों ने शहर के जाने-माने हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ कैलाश प्रसाद के निजी कैलाश हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। मरीज की मौत की सूचना मिलते ही जिप अध्यक्ष शारदा सिंह, जिप सदस्य व सांसद प्रतिनिधि घटनास्थल पर पहुंचे। धनबाद व सरायढेला थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। खबर लिखे जाने तक अस्पताल प्रबंधन, मृतका के परिजन और स्थानीय नेताओं के बीच वार्ता जारी थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जिला प्रशासन की टीम पहुंची कचहरी रोड, दुकानदारों ने हटाईं दुकानें

रांची, एजेंसी। झारखंड बार एसोसिएशन के समीप अवैध रूप से लंबे समय से सैकड़ों फुटपाथ दुकान लगे थे। इसे मंगलवार को जिला प्रशासन ने हटा दिया। इसके कारण कचहरी रोड पूरी तरह से जाम मुक्त हो गया। जिला प्रशासन ने कचहरी रोड पर दो टैक्टर और टर्बो को फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों का सामान जब्त करने के लिए बुलाया गया। वाहन देखते ही सभी फुटपाथ दुकानदारों ने प्लास्टिक के छप्पर, ठेला, खोमचा, कम्प्यूटर समेत अन्य समान को गली मुहल्लों में लेकर छिपा दिया। सामान को दुकानदारों ने रजिस्टर ऑफिस के परिसर व रोड में पड़ने वाली गली में रख दिया, ताकि जिला प्रशासन लगाई गई दुकान को उठाकर नहीं ले जाए। दुकानों के नहीं रहने से कचहरी में थोड़ा सा सनाटा पसरा रहा। क्योंकि अवैध कब्जाकर फुटपाथ रोड पर लगाई दुकानें नहीं लगाए गए। जहां पर दुकान लगाई गई थी, वहां आराम से राहगीर पैदल जा रहे थे। साढे तीन बजे नगर निगम के सभी वाहन चले गये तो सबसे पहले विभिन्न प्रकार का फार्म बेचने वाले व नोट अदला बदली की दुकान सजाई गई।

बिरसा मुंडा फन पार्क में एक दिवसीय योगा ध्यान शिविर का आयोजन

रांची, एजेंसी। जेल मोड़ स्थित बिरसा मुंडा फन पार्क में सोमवार को बिरसा मुंडा फन पार्क, स्कूल ऑफ योगा डिपार्टमेंट रांची यूनिवर्सिटी और रिलेशंस के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय योगा ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई विद्यार्थियों ने इस शिविर में भाग लिया। विद्यार्थियों ने योग क्रिया कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, गोमुखासन, ताड़ासन और ध्यान समेत कई आसन किये और गहराई से समझा। मौके पर विद्यार्थियों ने योग के माध्यम से स्वस्थ शरीर और तनाव रहित रहने का भी संकल्प लिया। उल्लेरखनीय है कि आधुनिक समय में हमलोग अपने खानपान को संतुलित रखकर और व्यायाम तथा योग कर के अनेक बीमारियों से बच सकते हैं। योग के नियमित अभ्यास से हम अपने जीवन को स्वस्थ और रोगमुक्त बना सकते हैं। इस कार्यक्रम में रांची विश्वविद्यालय रांची के डीएसडब्ल्यू सुदेश कुमार साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

शुरू हुआ सरकारी नौकरियों का सिलसिला

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 289 अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र



रांची, एजेंसी। राज्य सरकार के विभागों में रिक्त पड़े पदों पर नियुक्तियों का सिलसिला एक बार फिर चल पड़ा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिशानिर्देश में राज्य में बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की जा रही हैं। मंगलवार को इसी क्रम में नगर विकास विभाग एवं आवास विभाग के तहत प्रोजेक्ट बिल्डिंग स्थित द्वितीय तल सभागार में 289 अभ्यर्थियों की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने हाथों से नियुक्ति पत्र सौंपा।

नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि हमें ये विश्वास है कि आप अपने मेहनत से आगे भी कामयाबी हासिल करेंगे। संकल्प लें कि व्यवस्था के किसी भी क्षेत्र में ईमानदारी, निष्ठा के साथ काम करेंगे और सरकार के प्रयासों में सार्थक भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य का निर्माण जिस उद्देश्य के साथ हुआ था, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उस उद्देश्य को पूरा करने के लिए प्रयासरत हैं। शहरी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ साथ सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी कई काम किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ग्रामीण क्षेत्र के विकास में शहरों के संसाधनों को मजबूत करने में लगे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड को युवाओं का राज्य बनाना चाहते है। इसी कड़ी में युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। सरकार राज्य के विकास प्रति समर्पित हैं और हेमंत सोरेन के नेतृत्व में हमलोग कदम बढ़ा चुके हैं।

उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि आज झारखंड झारखंड के विकास में सभी जनकल्याण के विचारों को सार्थक करने की शपथ लें। हर झारखंडी के चेहरे पर मुस्कान हो, ये आपका लक्ष्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच झारखंड को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाकर खड़ा करना है। युवाओं को रोजगार दिलाना, उनके उज्जवल भविष्य की सोच के साथ मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश में हमलोग काम कर रहे हैं। नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि आखों में सुनहरी चमक लेकर अभ्यर्थी उज्वल भविष्य की ओर पहला कदम बढ़ा रहे हैं। शहरीकरण दिनोंदिन तेजी से बढ़ रहा है। बेहतर शिक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से निकल कर शहरों की तरफ आ रहे हैं। शहरों के संसाधन को हम मजबूत कर रहे हैं।उन्होंने कहा, हम शहरों के विकास के मानकों के आधार पर अपने निकायों को संचालित करने का प्रयास कर रहे हैं। हेमंत सरकार ने नियुक्तियों का कारवां शुरू कर दिया है। सरकार के जनहितकारी इरादों को साकार करने में आपकी भूमिका एक अधिकारी और कर्मचारी के तौर पर बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कहा कि नगर के विकास के प्रति सरकार प्रतिबद्ध है। राज्य की एक चौथाई आबादी शहरों में निवास करती है। शहरी क्षेत्र राज्य के विकास का चेहरा होता है। निकाय क्षेत्रों में संसाधन की चुनौती है। ग्रामीण क्षेत्रों से लोग आजीविका की तलाश में शहर आते हैं, जिससे शहरों की भौगोलिक संरचना चुनौती के रूप में उभरती है। अर्बन एरिया में टेक्निकल लोगों की आवश्यकता है।

सीएस ने कहा कि पहले झारखंड में टाउन प्लानर की भी नियुक्ति होती थी, लेकिन पहली बार सहायक टाउन प्लानर की नियुक्ति वर्तमान सरकार में हो रही है। नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने कहा कि सरकार के द्वारा इस वर्ष नियुक्तियां शुरू हो गई हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।कार्यक्रम में गार्डेन अधीक्षक, वेटनरी ऑफिसर, सेनेटरी एंड फूड इंस्पेक्टर, सेनेटरी सुपरवाइजर, राजस्व निरीक्षक एवं विधि सहायक के पदों पर कुल 289 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। जिसमें गार्डेन अधीक्षक के नौ, वेटनरी ऑफिसर के आठ, सेनेटरी एंड फूड इंस्पेक्टर के 12, सेनेटरी सुपरवाइजर के 42, राजस्व निरीक्षक के 174 एवं विधि सहायक के 44 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया।

अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ शुरू हुआ बड़ा अभियान, चार आरोपी गिरफ्तार



पलामू, एजेंसी। जिले में अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत चार लोगों को पलामू पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन चारों पर अफीम की खेती करने का आरोप है। पलामू पुलिस लगातार अफीम की खेती को नष्ट कर रही है। साथ ही खेती करने वालों के खिलाफ अभियान भी चल रही है।

इसी क्रम में खेती करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और जेल भेजा दिया गया है। वैसे लोग जिन पर अफीम की खेती करने का आरोप है उनकी गिरफ्तारी के लिए पलामू पुलिस ने बड़ा अभियान शुरू किया है। नौडीहा बाजार थाना की पुलिस ने छतरपुर थाना क्षेत्र के धोबीडीह निवासी लवलेश यादव नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पाखी थाना की पुलिस ने मुकेश यादव नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुकेश यादव पांकी थाना क्षेत्र के केकरगढ़ का रहने वाला है। मनातू थाना की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गोविंद यादव और इंदर यादव को गिरफ्तार किया है। इंदर यादव तरहसी थाना क्षेत्र के ताल जबकि गोविंद यादव मनातू थाना क्षेत्र के बड़की नागद का का रहने वाला है।

पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि अफीम की खेती के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के क्रम में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। खेती करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। साथ ही पुलिस लगातार लोगों से अफीम की खेती के बजाय अन्य फसलें उगाने की अपील कर रही है।

छत्तीसगढ़ से लातेहार आ रही बाराती बस दुर्घटनाग्रस्त, 12 से अधिक यात्री घायल

लातेहार, एजेंसी। जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित ओरसा घाटी में छत्तीसगढ़ से आ रही एक बारात से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में लगभग 12 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। सभी का प्राथमिक इलाज महुआडांड़ अस्पताल में किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी अवनीश कुमार के निर्देश पर पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की।

दरअसल, छत्तीसगढ़ के चादों गांव से बस में सवार होकर बाराती महुआडांड़ के गोठगांव की ओर आ रही थी। इसी बीच ओरसा घाटी के पास अचानक बस का ब्रेक फेल हो गया। इससे अनियंत्रित होकर बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में दीनानाथ नगेसिया, अर्जुन नगेसिया, शुभराज चरवा, राम स्वार्थ नगेसिया, लालसाय प्रजापति, जसवाल प्रजापति, अर्जुन नगेसिया, सूरजमानी देवी, लीलावती देवी, परमेश्वरी देवी, ढलवा देवी समेत 12 से अधिक लोग घायल हो गए हैं।

इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अवनीश कुमार के नेतृत्व में



पुलिस की टीम एंबुलेंस के साथ घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों के द्वारा सभी घायलों का इलाज किया। चिकित्सकों ने बताया कि घायलों की स्थिति खतरे से बाहर है।

बड़ी घटना टली

इधर स्थानीय लोगों को कहना है कि जिस प्रकार से दुर्घटना हुई थी, उससे बड़ी घटना हो सकती थी। गनीमत रही कि गाड़ी खाई में नहीं गिरी। अगर बस खाई में गिर जाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। थाना प्रभारी अवनीश कुमार ने बताया कि घटना में किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। सभी की स्थिति को चिकित्सकों ने खतरे से बाहर बताया है।

पुलिस वर्दी के साथ रंगबिरंगे कपड़े पहनने पर लगा बैन, उल्लंघन करने पर होगी सख्त कार्रवाई

रांची, एजेंसी। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने पुलिस अफसरों और कर्मियों के ड्रेस कोड को लेकर आदेश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि झारखंड में कोई भी पुलिस अफसर और कर्मी वर्दी के साथ रंग बिरंगे स्वेटर या जैकेट न पहनें, बल्कि वर्दी के साथ पुलिस सिर्फ और सिर्फ निर्धारित खाखी रंग का ऊनी स्वेटर और जैकेट ही पहनें।



क्या है नया आदेश : झारखंड में पुलिस अफसर और कर्मी अब अपने वर्दी के साथ रंग बिरंगे जैकेट या स्वेटर नहीं पहन पाएंगे। झारखंड के डीजीपी के द्वारा यह बताया गया है कि पुलिस पदाधिकारी और कर्मी सर्दी के मौसम में वर्दी के साथ रंग बिरंगे स्वेटर या जैकेट के बजाय सिर्फ निर्धारित खाकी रंग का ऊनी स्वेटर, जैकेट पहनेंगे।

इसके साथ ही जैकेट के ऊपर उनके पद के अनुरूप बैच भी लगा होना चाहिए। डीजीपी ने आदेश दिया है कि सभी जिलों के एसपी, ईकाईयों के एसपी, समादेष्टा, ईकाईयों के प्रधान निर्धारित परिधान का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। आदेश नहीं मानने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का आदेश डीजीपी ने दिया है।

सोशल मीडिया पर रंगबिरंगे कपड़े पहने दिख रहे है पुलिसवाले : डीजीपी के आदेश में यह भी जिक्र है कि झारखंड के भ्रमण के दौरान और सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों में देखा गया है कि पुलिसकर्मी वर्दी के साथ अलग-अलग रंग के स्वेटर, जैकेट और जूते पहन रहे हैं जो पूर्णतः अनुचित है। डीजीपी ने आदेश में लिखा है कि राज्य सरकार के द्वारा पुलिस कर्मियों को वार्षिक वर्दी भत्ता दिया जा रहा है। इसके बावजूद पुलिसकर्मी निर्धारित परिधान का उपयोग नहीं कर रहे हैं।

वर्दी पर नेम प्लेट होना जरूरी : डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि झारखंड पुलिस ड्रेस कोड को लेकर आदेश जारी किए गए हैं। पुलिसकर्मियों को वर्दी के साथ सिर्फ खाकी रंग के ड्रेस पहनने हैं। वहीं, ड्यूटी के दौरान वर्दी पहनना और उसमें अपना नेम प्लेट लगाना भी अनिवार्य है। खासकर पब्लिक डीलिंग के समय।आम लोगों को यह जानना जरूरी है कि जो व्यक्ति उनके पास आया है वह पुलिस के किस इकाई से है और उसका नाम क्या है। बता दें कि इससे पूर्व पुलिस अफसरों और कर्मियों के लिए वर्दी पर नेम प्लेट लगाना भी डीजीपी के द्वारा अनिवार्य किया गया है।

प्रदेश के सभी जिलों में होनी चाहिए कैंसर जांच और स्क्रीनिंग

टाटा ट्रस्ट के सीईओ का सुझाव, सीएम को अवगत कराएंगे वित्त मंत्री

रांची/मुंबई, एजेंसी। झारखंड में कैंसर देखभाल को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने के उद्देश्य से वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सोमवार को मुंबई में टाटा ट्रस्ट के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा से मुलाकात की है। इस बैठक में राज्य में कैंसर उपचार की स्थिति, सस्ती/बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का विकास और जरूरी संसाधनों की उपलब्धता को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि ÷हमारा लक्ष्य झारखंड में कैंसर देखभाल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है, ताकि मरीजों को इलाज के लिए राज्य से बाहर न जाना पड़े। सरकार इस दिशा में मेडिकल साइक्लोट्रॉन सुविधा स्थापित करने पर कार्य कर सकती है। इससे पीईटी सीटी सेंटरों को जरूरी आपूर्ति मिलेगी और कैंसर निदान की लागत कम होगी।÷

राज्य में कैंसर जांच और



स्क्रीनिंग पर जोर

सिद्धार्थ शर्मा ने भी झारखंड में कैंसर देखभाल को बेहतर बनाने के लिए अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि रांची कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की सतत विकास प्रक्रिया को बनाए रखने के लिए सीजीएचएस दरों में 10 प्रतिशत की वृद्धि आवश्यक हो सकती है। उन्होंने कैंसर के प्रभावी उपचार के लिए शुरुआती जांच और स्क्रीनिंग के महत्व पर जोर दिया। इस दिशा में टाटा ट्रस्ट पहले से ही सरायकेला, रांची और खूंटी में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। उन्होंने वित्त मंत्री से कहा कि झारखंड के सभी 24 जिलों में कैंसर जांच और स्क्रीनिंग होनी चाहिए।

निजी कंपनियों को भी आना चाहिए आगे

टाटा ट्रस्ट के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा ने ये भी कहा कि पूरे देश में कैंसर एक बड़ी समस्या है। झारखंड में राज्य सरकार और प्राइवेट कंपनियों के साथ मिलकर कैंसर उपचार में टाटा ट्रस्ट अपना सहयोग देना चाहता है। उन्होंने सुझाव दिया कि झारखंड के हर जिले में इस पहल का विस्तार करने के लिए निजी कंपनियों को अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत आगे आना चाहिए। साथ ही उन्होंने झारखंड में कैंसर रोगियों के लिए पोषण संबंधी कार्यक्रम चलाने की संभावना पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि टाटा ट्रस्ट महाराष्ट्र में पहले से ही ऐसा कर रहा है।

सीएम और स्वास्थ्य मंत्री को सुझावों से अवगत कराएंगे

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि वे सुझावों से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी को अवगत कराएंगे। बैठक के सकारात्मक परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार इस दिशा में टाटा ट्रस्ट जैसे अनुभवी संगठनों के साथ मिलकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीओ समेत तीन पर 65-65 हजार का जुर्माना, म्यूटेशन लंबित रखने पर पलामू डीसी ने की कार्रवाई

पलामू, एजेंसी। दाखिल खारिज के मामले को लंबित रखने पर पलामू डीसी शशिरंजन ने बड़ी कार्रवाई की है। दाखिल खारिज के मामले को लंबित रखने पर पलामू डीसी ने अंचल अधिकारी समेत तीन पर 65-65 हजार रुपए जुर्माना लगाया है। जुर्माना की राशि अंचल अधिकारी समेत तीन कर्मियों के वेतन से वसूला जाएगा। यह कार्रवाई पलामू के नीलांबर पीतांबरपुर के अंचल अधिकारी सुनील कुमार सिंह, राजस्व उप निरीक्षक रितेश रंजन तिवारी एवं प्रभारी सीआई महेंद्र राम के खिलाफ हुई है।



अंचल अधिकारी, राजस्व उप निरीक्षक और सीआई पर आरोप है कि दाखिल खारिज के प्राप्त आवेदनों का इन्होंने ससमय निष्पादन नहीं किया है। अंचल क्षेत्र में 62 नामांतरण करने के निर्धारित समय गुजर गया था। सामान्य तौर पर 30 दिनों में दाखिल खारिज के मामलों का नामांतरण किया जाना है। आपत्ति के मामले में 90 दिनों में दाखिल खाने से जुड़े नामांतरण के मामले का निष्पादन करना है।

21 दिसंबर 2024 को पलामू के अपर समाहर्ता ने अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया था। इसी निरीक्षण में उन्होंने दाखिल खारिज से जुड़े मामलों का ससमय निष्पादन करने का निर्देश दिया था। 8 फरवरी 2025 को हुई बैठक में अपर समाहर्ता ने दाखिल खारिज के मामले को निष्पादन को लेकर चेतावनी भी जारी की थी।

चेतावनी के बावजूद 62 दाखिल खारिज के मामलों का निष्पादन समय पर नहीं किया गया। बाद में पलामू डीसी शशि रंजन ने कार्रवाई करते हुए सभी पर जुर्माना लगाया है। जुर्माना की राशि को वेतन से काटकर कोषागार में जमा किया जाएगा। कार्रवाई की जानकारी पलामू सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के तरफ से दी गई है।

कैबिनेट बैठक में 12 प्रस्तावों पर लगी मुहर, राज्य कर्मियों को हेमंत सरकार ने दे दी एक और खुशखबरी

रांची, एजेंसी। झारखंड में एमएसएमई श्रेणी के तहत खुलनेवाले नए उद्योगों को लाइसेंस राज से तीन साल तक मुक्ति मिलेगी। इस दौरान उन्हें कारोबार शुरू करने के लिए आवश्यक लाइसेंस लेने की अनिवार्यता को समाप्त किया जाएगा। ऐसा झारखंड में नए उद्योगों को कारोबार करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया है।

कारोबार शुरू करने और काम जम जाने के बाद इनके लिए लाइसेंस की अनिवार्यता होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव - झारखंड एमएसएमई विशेष छूट विधेयक-को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है और इसे विधानसभा में पेश कर विधेयक को पास कराया जाएगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उद्योगों के खुलने के लिए आवश्यक ट्रेड लाइसेंस के लिए भी तीन साल तक की छूट मिल रही है। मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में कुल 12 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। कैबिनेट ने पांचवां और छठा वेतनमान ले रहे राज्य कर्मियों, पेंशन भोगियों और पारिवारिक पेंशन के लाभुकों के लिए महंगाई भत्ता की दरों में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी हे।



छठा वेतनमान ले रहे कर्मियों के लिए महंगाई भत्ता सात प्रतिशत (239 से बढ़कर 246) बढ़ा है तो पांचवां वेतनमान ले रहे कर्मियों के लिए यह 12 प्रतिशत (443 से बढ़कर 455) हो गया है। यह लाभ उन्हें जुलाई 2024 के प्रभाव से मिलेगा।राज्य कैबिनेट ने चुनिंदा सरकारी आइटीआइ में ऑटोमोबाइल निर्माण व्यवसायों में नवीनतम तकनीकी की जानकारी देने के लिए मारुति से करार करने का निर्णय लिया है।एमओयू के प्रारूप पर शीघ्र अनुशंसा प्राप्त करते हुए मारुति से करार को आगे बढ़ाया जाएगा। इसके लिए झारखंड वित्त नियमावली के नियम 235 को शिथिल करते हुए मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के सहयोग से कंपनी के सामाजिक दायित्व के अंतर्गत समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की मंजूरी दी गई है।

इस फैसले से आइटीआइ छात्रों को आधुनिक आटोमोबाइल तकनीकी की जानकारी मिलेगी और वे बाजार की मांगों के अनुरूप प्रशिक्षित होंगे।ईज आफ डूइंग बिजनेस को प्रोत्साहित करने के लिए झारखंड कैबिनेट ने कारखाना अधिनियम में संशोधन को स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह निर्णय भारत सरकार के औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए बिजनेस रिफार्म एक्शन प्लान के तहत किया गया है।इस संशोधन से राज्य में उद्योगों की स्थापना और संचालन सरल होगा, जिससे निवेशकों को अधिक सुविधा मिलेगी और औद्योगीकरण को बढ़ावा मिलेगा।इसके साथ ही राज्य सरकार ने कारखाना अधिनियम में संशोधन को स्वीकृति प्रदान कर दी है जिसके तहत रात्रि पाली में काम करने की इच्छुक महिला कामगारों को शाम सात बजे से सुबह के छह बजे तक के शिफ्ट में काम करने की आजादी होगी।

हथियार लेकर नाबालिग का किया पीछा, फिर की छेड़खानी, विरोध करने वाले ग्रामीणों की पिटाई, पुलिस ने किया गिरफ्तार

पलामू, एजेंसी। दो बाइक पर सवार शरारती युवक हाथ में हथियार लेकर एक नाबालिग लड़की का पीछा कर रहे थे। लड़की का पीछा करने पर स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध किया। विरोध करने पर शरारती युवकों ने ग्रामीणों के साथ मारपीट की। इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। बाद में स्थानीय ग्रामीणों ने एक युवक को पकड़ लिया, जबकि मौके से चार अन्य फरार हो गए।पुलिस ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

पूरे मामले में पुलिस ने पॉक्सो समेत अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। यह घटना पलामू के पांडू थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने आरोपी रवि कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जबकि घटना में शामिल दो मोटरसाइकिल्स को जब्त कर लिया है और मौके से दो फाइटर भी बरामद किये हैं।पांडु के थाना प्रभारी सौरभ कुमार ने बताया कि आरोपी एक नाबालिक लड़की का पीछा कर रहे थे। पूरे मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी रवि कुमार को गिरफ्तार किया है और चार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि बाइक सवार हाथ में हथियार लेकर लड़की का पीछा कर रहे थे और छेड़खानी भी कर रहे थे।

सुभाषितम्

सही राह पर होने के बाद भी यदि आप वहां बैठे ही रहोगे तो कोई गाड़ी आपको कुचलकर चली जायेगी - विल रोजर्स

योजनाओं का 1.40 लाख करोड़ खर्च नहीं कर पाईं राज्य सरकारें

केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं में जो राशि आवंटित की गई थी, उस राशि को राज्य सरकारें खर्च नहीं कर पाईं। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी के होते हुए भी सरकारी योजनाओं का धन बैंकों में जाम पड़ा रहा। प्रधानमंत्री आवास जल जीवन योजना, अमृत योजना, स्वच्छ भारत योजना तथा पोषण आहार के लिए आंगनबाड़ी पोषण योजना का पैसा राज्य सरकारें खर्च नहीं कर पाईं। केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं का पैसा खर्च नहीं हो पाना केंद्र और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाता है। केंद्र सरकार विभिन्न योजनाओं के तहत राज्य सरकारों को भारी भरकम बजट आवंटित करती है। यह चिंता का विषय है। राज्यों को दी गई 1.40 लाख करोड़ रुपये की राशि राज्य सरकारें खर्च नहीं कर पाईं। यह प्रशासनिक उदासीनता, नीतिगत विफलता और संसाधनों के कुप्रबंधन का सबसे बड़ा उदाहरण है। अक्टूबर 2023 तक विभिन्न सरकारी योजनाओं में आवंटित बजट की राशि के यह आंकड़े बताते हैं कि केंद्र सरकार के बजट से मिली राशि का राज्यों द्वारा उपयोग नहीं किया गया। इसका असर गरीब और वंचित वर्गों पर पड़ता है, जो इन योजनाओं से लाभ पाने के हकदार थे। कई बार योजनाओं की स्वीकृति, टेंडर प्रक्रिया और कार्यान्वयन में देरी के कारण बजट की राशि खर्च नहीं हो पाती है। नौकरशाही की उदासीनता, भ्रष्टाचार, पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी से विकास योजनाओं का क्रियान्वय समय पर नहीं हो पता है और बजट की राशि लैप्स हो जाती है। जिससे योजनाएं महज कागजी बनकर रह जाती हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वय की कमी से भी योजनाओं का काम सही तरीके से नहीं हो पाता है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को इसके लिए जिम्मेदारी तय करनी होगी। राज्यों को अधिकारियों को जिम्मेदार बनाना होगा। जो राज्य केंद्र द्वारा आवंटित बजट की राशि को खर्च नहीं कर पाते हैं उन राज्यों पर विशेष निगरानी की व्यवस्था शुरू करनी चाहिए। योजनाओं के फंड की रियल-टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जानी चाहिए। संबंधित अधिकारियों को योजनाओं की मंजूरी और कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं के लिए प्रशासनिक सुधार किए जाने चाहिए। जिला और ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए संसाधन बढ़ाना होगा। राज्य सरकारें केंद्र सरकार की योजनाओं का 1.40 लाख करोड़ रुपये की राशि खर्च नहीं कर पाई हैं। तो इसके पीछे कोई बड़ा कारण भी हो सकता है। कई बार यह भी देखने में आया है कि केंद्र एवं राज्य सरकार बजट आवंटित कर देती हैं, लेकिन ट्रेजरी बिल में संतुलन बनाए रखने के लिए राशि खर्च करने के लिए समय-समय पर प्रतिबंध भी लगाती हैं। जिसके कारण बजट में राशि होने के बाद भी विभाग को राशि खर्च करने के लिए ट्रेजरी से आवंटित नहीं होती है। यह मामला सरकारी धन को समय पर खर्च न करने और भ्रष्टाचार भर का मामला नहीं है। समाज के कमजोर वर्गों को इसका सबसे बड़ा नुकसान होता है, आवास, पानी, पोषण और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं की राशि खर्च नहीं हो पाई, यह एक तरह से गरीबों के साथ खिलवाड़ है। केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर इस समस्या का समाधान करें। सुनिश्चित करें, कोई भी योजना महज कागजों में सीमित न रह जाए। आम जनता को भी ध्यान रखना होगा बजट में उनके लिए जो राशि आवंटित की गई है उसका सही उपयोग हो रहा है या नहीं। जनता जब तक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं होगी, तब तक ऐसी ही स्थिति बनी रहेगी। सरकारें बजट में तो बड़े-बड़े प्रावधान करेंगी, लेकिन उन पर पैसा खर्च नहीं किया जाएगा। पिछले कुछ वर्षों में यह स्थिति बड़े पैमाने पर देखने को मिल रही है। विभागों के पास बजट में पैसा होने के बाद भी वह राशि खर्च क्यों नहीं हो पा रही है। इसके लिए विभागों को और सरकारों को जिम्मेदार बनाया जाना आवश्यक है।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुन? धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है। सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है। त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं।

महाकुम्भ और भगवान श्री राम की महिमा

संजय गोस्वामी

प्रबु राम अमर हैं प्रभु राम ही अमृत हैं प्रभु राम ही गंगा है प्रभु राम ही सबकुछ है जो तुलसीदास जी को दर्शन दिए हर काम करने से पहले प्रभु के चरण स्पर्श कर लेना बहुत काम आएगा।

: कुम्भ जाने या ना जाने से कुछ नहीं होता जब तक आपके विचार शुद्ध नहीं होता ये कैसा कुम्भ दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोग भीड़ में मर गए फिर भी दया नाम की कोई चीज नहीं है कि जरा उसे उठा दे लोग मुकरते हुई भीड़ भाड़ में महाकुम्भ के लिए निकल चले मुझे इस महाकुम्भ में प्रभु राम नहीं दिखा तो नहीं गए प्रभु राम से अनमोल क्या हो सकता है हमेशा उनके चरणों का ध्यान करें मैं दावे के साथ कहता हूँ आपके विचारों पर इसका ऐसा प्रभाव होगा कि आप सही और गलत का भेदभाव जान जायेंगे जब माता सीता ने हनुमानजी को रत्नो भरा माला उपहार में दिए तो हनुमानजी उसे तोड़ कर फेंकने लगे और माता सीता ने पूछा इतना कीमती हार को क्यों फेंक रहें हो तो हनुमानजी ने सीना चिरकर भगवान राम और माता सीता के रूप को दिखा दिया कि भगवान राम से कीमती कोई भी वस्तु नहीं है और जिसे मैं हमेशा इन्हे ह्रदय से लगा कर रखता हूँ ईश्वर ना तो मंदिर में मिलेंगे ना हो महाकुम्भ में वो आपके अंदर है जो अच्छे कर्म से खुद ही अनुभूति होगी

कबीर दास जी एक दोहे के माध्यम से कहते हैं मन के मत में न चलो, क्योंकि मन के अनेको मत हैं। जो मन को सदैव अपने अधीन रखता है, वह साधु कोई विरला ही होता है।मन के मारे बन गये, बन तजि बस्ती माहिं। कहैं कबीर क्या कीजिये, यह मन ठहरै नाहिं।

इसका मतलब मन की चंचलता को रोकने के लिए वन में गये, वहाँ जब मन शांत नहीं हुआ तो फिर से बस्ती में आ गये। गुर कबीर जी कहते हैं कि जब तक मन शांत नहीं होगा, तब तक तुम क्या आत्म - कल्याण करोगे।मैं गरीब या अपने माता-पिता की सेवा करना चाहूंगा, और जब जब ठेस लगा है तो मन में ही उसे इरेज कर दिया कारण यह है की सबसे बुरे वक़्त में भी उन्होंने हमें बचाया है जो आप वासना को शांत करने के लिए अच्छा काम भी बुरा हो जायेगा हैं। जैसे दीपक पर जुगनू जल जाता है वैसे ही आप नर्क की ओर बढ़ते है ऐ भारत देश की मिट्टी में मर जावां ऐ सिखाता है इसके लिए हमें गरीबों की मदद करनी चाहिए और हमेशा माता-पिता द्वारा हमें दिए गए कार्यों पर ध्यान दें। वासना से सभी अवगुण और स्वार्थ के कारण मन में गंदगी रहती है तो आप उसे कर कर भी क्या करोंगे वो तो छनभर में खत्म हो जाता है बाद में आगे और कितना क्या करोगे,आप उसके लिए अच्छे से बुरे कर्म करते हो क्योंकि आप वासना के शिकार हो बाद में धोखा



मिलता है जब आपके सामने मौत आकार खड़ी हो जाती है, इसे इस बात से समझेंगे,महाभारत युद्ध के बाद युधिष्ठिर राजा बन गए थे। जब हस्तिनापुर में सब ठीक हो गया तो श्रीकृष्ण अपनी नगरी द्वारका लौट रहे थे। उस समय कुंती ने श्रीकृष्ण से वरदान में दुख मांगे थे। श्रीकृष्ण ने पूछा कि आप दुख क्यों मांग रही हैं ?कुंती ने कहा कि दुख के दिनों में तुम बहुत याद आते हो। अगर सुख के दिन रहेंगे तो मैं तुम्हें याद नहीं कर पाऊंगी, लेकिन जब-जब मेरे जीवन में दुख आते हैं, तुम मुझे याद आते हो और तुम हमारी मदद करने के लिए आ जाते हैं। मैं चाहती हूं कि मेरे जीवन में दुख रहें, ताकि मैं तुम्हें हमेशा याद करूं और तुम भी हम पर कृपा बनाए रखो। ऐ ही प्रेरणा महा कुम्भ में भी है इसकी मान्यता ऐ है कि जब इंद्र देवता महर्षि दूवार्सा के दिए गए माला का मोल नहीं समझते हैं और ऐरावत हाथी को दे देते है और जब कुचल दिया तभी ऋषि ने देवताओं को श्राप दे दिया कि ऐ देवताओं की शक्ति का नाश होगा और बाद में देवताओं के सभी चीजों को असुर लोग मिलकर युद्ध में पराजित कर उसे अपने कब्जे में ले लेते हैं बाद में सभी देवताओं ने ब्रह्मा जी से मिलकर इस समस्या का हल निकालते हैं तब वो इससे मना कर भगवान विष्णु के पास भेज देते हैं भगवान विष्णु समुद्र मंथन की योजना का प्रस्ताव देते हैं और असुरों को यह कहकर लालच देते हैं कि उसमें अमृत कलश निकलेगा और मंदार पर्वत पर देवता एक ओर असुर दूसरी ओर से बासुकी नाग को रस्सी बना करा कर समुद्र मंथन चालू होता है अमृत तो बहुत बाद में निकला लेकिन सबसे पहले निकला एक भयानक विष जिसकी एक बूंद पृथ्वी पर गिर जाता तो विनाश हो जाता और भयभीत होकर भगवान शंकर जी ने पीने के लिए राजी हो गये लेकिन वहीँ माता पार्वती भी थी और भगवान शंकर ने विष पिया तो माता पार्वती ने गले में अटकाने को कहा और उन्होंने अटका लिया यदि माता पर पार्वती ना होती तो भगवान शंकर को बचाना मुश्किल होता है ऐ है नारी की शक्ति, जिसे आज लोग नहीं मानते औ? कष्ट पाते हैं यदि आपका रिश्ता ठीक नहीं है तो उसे ठीक करने की कोशिश करनी चाहिए और धैर्य रखनी चाहिए। ये जरूरी नहीं कि समस्या बहुत बड़ी हो। आपको बदलाव का मौका खुद को भी देना चाहिए और पत्नी को भी देना चाहिए। रिश्ते को सुलझाने के लिए छोटे-छोटे कदम उठाएं। ध्यान रखें कि अगर आपको आपकी भावनाओं की कद्र करवानी है तो उसकी भी भावनाओं की कद्र भी करनी होगी। ऐसे लोगों मौकापरस्त होते हैं जो कठिन समय में आपको धोखा दे देते हैं आप प्रसन्न रहें इन्हे छोड़ कर प्रभु राम के ध्यान में मग्न हो जाओ आपने अच्छा किया लेकिन आपके साथ बुरा हो गया तो उसे निकाल देने में ही बुराई उसका हर चीज 10गुना दाम में लौटा दो ऐसे लोग स्वार्थी होते हैं मान लीजिये आप को शादी नहीं करना है तो कर लो दूसरों के चक्कर में मत रहो एक बार चोट लगा है संभल जाइए जिसके लिए आप परिवार से लड़ कर शादी कर लेते हैं उनकी इज्जत बचाने के लिए और वही आपकी इज्जत पर दाग दे तो उसे छोड़ देने में भलाई है शारिरिक संबंध तो किसी और से भी पैसे से बन सकता है हर मनुष्य में आभा होती है लेकिन इंसानियत नहीं , आत्महत्या कर क्या मिलेगा यही गीता में लिखा है जब अर्जुन महाभारत में अपने सगे से लड़ना नहीं चाहते थे लेकिन भगवान श्री कृष्ण जब मरे हुए लोगो से मिलाते हैं तो पूर्व जन्म में रहे रिस्तेदार उसे पहचानने से इनकार कर देते तभी भगवान कृष्ण समझाते है हे अर्जुन देखो अगले जन्म में किसी से कोई रिश्ता नहीं रहता है ऐ जीवन में भूत को छोड़कर वर्तमान की तरफ जाओ औ? अन्याय का बदला लो अन्यथा तुम में जो पीड़ा घाव से परेशान हो वो जहर की तरह फैल जायेगा और ऐ अन्याय होगा अतः युद्ध करो यही कर्म है देखो तुम अपना कर्म करो फल ईश्वर पर छोड़ दो औ? इस तरह महाभारत होता है जब तक आपके मन में डर रहेगा कुछ नहीं कर सकते डर को निकाल बाहर करो मौत और जीवन इंसान की एक प्रकिया है आत्मा कभी मरती नहीं आत्मा अमर है एक महान गुरु नानक से सीखें एक ओंकार (ईश्वर एक है), सतनाम (उसका नाम ही सच है), करता पुरख (सबको बनाने वाला), अकाल मूरत (निराकार), निरभउ (निर्भय), निरवैर (किसी का दुश्मन नहीं), अजूनी सैभं (जन्म-मरण से दूर) और अपनी सत्ता कायम रखने वाला है। ऐसे परमात्मा को गुरु नानक जी ने अकाल पुरख कहा, जिसकी शरण गुरु के बिना संभव नहीं।

सामाजिक न्याय की पिच पर नई सोशल इंजीनियरिंग अपेक्षित

ललित गर्ग

विश्व सामाजिक न्याय दिवस सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने की आवश्यकता को पहचानने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है, जिसमें गरीबी, लैंगिक असमानता, महंगाई, महिला अत्याचार, बेरोजगारी, मानवाधिकार और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों से निपटने के प्रयास शामिल हैं। यह दिवस प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाता है और यह आयोजन हर साल हमें अधिक निष्पक्ष, अधिक न्यायसंगत, अधिक समान, अधिक मानवीय समाज बनाने की आवश्यकता की याद दिलाना। इसका उद्देश्य हमें यह पहचानने में मदद करना है कि मनुष्य के रूप में हमने जितनी भी प्रगति की है, उसके बावजूद कई बाधाएं अधिसंख्य लोगों को एक निष्पक्ष एवं समानतापूर्ण जीवन जीने से रोकती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है समावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतराल को पाटना। थीम प्रणालीगत असमानता को दूर करने में समावेशी नीतियों, निरंतर सीखने और सामाजिक सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है। इसे पहली बार साल 2009 में मनाया गया था। दुनिया में बढ़ती समस्याओं को देखते हुए आज सामाजिक न्याय की जितनी जरूरत है उतनी पहले शायद पहले नहीं थी। दुनिया में राजनैतिक विभाजन पहले से अधिक हो रहा है एवं समुदायों में असुरक्षा ज्यादा बढ़ती दिख रही है। हम सब मिलकर जाति-धर्म, गरीबी- अमीरी, वंश-वर्ग आदि सारे भेदभाव को भुलाकर एक स्वस्थ एवं आदर्श समाज की स्थापना करें और मानव अधिकारों का सम्मान करें, यही इस दिवस का मूल उद्देश्य है। सामाजिक न्याय की पिच पर ही नई सोशल इंजीनियरिंग तैयार हो सकती है।

यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो आज अधिक प्रासंगिक है। इस संदर्भ में निष्पक्षता का अर्थ है शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा, न्याय और अन्य के समान मानकों तक समान पहुंच। सभी की इन चीजों के समान मानकों तक समान पहुंच होनी चाहिए, चाहे उनकी जाति, धर्म, लैंगिकता, लिंग या वर्ग कुछ भी हो। विश्व सामाजिक न्याय का मतलब है, ऐसा समाज बनाना जहां सभी लोगों को समान अधिकार, अवसर और व्यवहार मिलें। सामाजिक न्याय के जरिए समाज की आर्थिक और सामाजिक विषमताओं को कम करने की कोशिश की जाती है और सभी नागरिकों को सामाजिक समानता देने के प्रयास किये जाते हैं। समाज की सामान्य भलाई के लिए दूसरों की देखभाल एवं सहायता करने की जिम्मेदारी और सभी को अपनी जिंदगी में सुधार करने के लिए समान अवसर मिले, इसके लिये यह दिवस एक आान है। सामाजिक न्याय की आकांक्षा, यह सुनिश्चित करती है कि हर कामकाजी पुरुष और महिला को अपने योगदान के मुताबिक उचित हिस्सा मिले, जो सामाजिक न्याय, सामाजिक एकजुटता, आर्थिक विकास, और मानव प्रगति के लिए जरूरी है। विश्व सामाजिक न्याय दिवस को सफल बनाने के लिए कई देश एक साथ मिलकर बेरोजगारी, गरीबी, जाति भेदभाव, लिंग और धर्म के नाम पर बंटे लोगों को एकजुट करने की कोशिश करते हैं। भारत में भी सदियों से लोगों को समान अधिकार देने का विधान रहा है। इसके लिए भारतीय संविधान में सामाजिक असमानता को खत्म करने के लिए कई प्रावधान हैं। समाज में यह जागरूकता फैलाने की जरूरत है कि सभी एक हैं और किसी में भी कोई भेदभाव नहीं देखना चाहिए। भारत सरकार भी कई योजनाएं चला रही हैं। एक विचार के रूप में सामाजिक न्याय की बुनियाद सभी मनुष्यों को समान मानने के आग्रह पर आधारित है। इसके मुताबिक किसी के साथ सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। हर किसी के पास इतने न्यूनतम संसाधन होने चाहिए कि वे उत्तम जीवन की अपनी संकल्पना को धरती पर उतार पाएँ। विकसित हों या विकासशील, दोनों ही तरह के देशों में राजनीतिक सिद्धांत के दायरे में सामाजिक न्याय की इस अवधारणा और उससे जुड़ी अभिव्यक्तियों का प्रमुखता से प्रयोग किया जाता है। भारत जैसे देश में सामाजिक न्याय का नारा वंचित समूहों की राजनीतिक गोलबंदी का एक प्रमुख आधार रहा है। उदारतावादी मानकीय राजनीतिक सिद्धांत में उदारतावादी-समतावाद से आगे बढ़ते हुए सामाजिक न्याय के सिद्धांतीकरण में कई आयाम जुड़ते गये हैं। मसलन, अल्पसंख्यक अधिकार, बहुसंस्कृतिवाद, मूल निवासियों के अधिकार आदि। इसी तरह, नारीवाद के दायरे में स्त्रियों के अधिकारों को लेकर भी विभिन्न स्तरों पर सिद्धांतीकरण हुआ है और स्त्री-सशक्तीकरण के मुद्दों को उनके सामाजिक न्याय से जोड़ कर देखा जाने लगा है। अनेक असमानताओं, आग्रहों, समस्याओं के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में सामाजिक न्याय के उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार का सामाजिक न्याय का तरीका समाज में विभेद करने का नहीं है, बल्कि समाज को जोड़ने का है। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को समाज के वंचित एवं हाशिए पर पड़े वर्गों जैसे अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, विकलांग व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों आदि के कल्याण, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण का दायित्व सौंपा गया है। मोदी ने कहा भी है कि सामाजिक न्याय, तुष्टिकरण से नहीं, संतुष्टिकरण से आता है। सरकार के द्वारा कई योजनाएं के अंतर्गत लोगों को समान अधिकार देने की कोशिश की जा रही है। साथ ही समाज में व्याप्त असमानता, भेदभाव, ऊंचनीच को जड़ से समाप्त करते हुए इससे समस्त समाज का एकसाथ विकास का प्रयास हो रहा है। हम जिस लोकतंत्र में जी रहे हैं वह लोक-समानता का लोकतंत्र है या लोक-विभेद का? हम जो स्वतंत्रता भोग रहे हैं वह समानता की स्वतंत्रता है या अराजक एवं असमानता की? हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है।

भागवत की हिन्दू एकता से ही विश्वगुरु बन सकेंगे

ललित गर्ग

हिंदू एकता ही समाज, राष्ट्र एवं विश्व में शांति, सद्भाव और प्रगति को सुनिश्चित करती है। साथ ही, यह राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिए भी जरूरी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को हिंदू समाज को एकजुट करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह देश का जिम्मेदार समाज है जो मानता है कि एकता में ही विविधता समाहित है। भागवत का हिन्दू एकता पर जोर देना न केवल प्रासंगिक है बल्कि यह समय की जरूरत है। क्योंकि लम्बे समय से हिन्दू समाज को तोड़ने की कोशिशों, पडोसी देशों के हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षड़यंत्रों के कारण हिन्दू समाज को संगठित करना जरूरी हो गया है। इस दृष्टि से राष्ट्र-पुरोधा मोहन भागवत का आान एक शक्ति देता है जिसकी रोशनी एक समूची परंपरा एवं संस्कृति को उद्भासित होने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास में कुछ ऐसे विरल सरसंघचालक हुए हैं, संघ के सरसंचालकों की समृद्ध एवं शालीन परंपरा में वर्तमान का बहुचर्चित नाम है मोहन भागवत। उनकी विरलता या महत्ता के प्रमुख मानक हैं- सशक्त राष्ट्रीयता, हिन्दुत्व और लोकहितकारी प्रवृत्तियां। इन तीन सोपानों के आधार पर वे महत्ता के ऊंचे शिखर पर आरूढ़ हो गए। उन्होंने हिंदुत्व की नयी व्याख्याएं दी हैं और उनका ताजा उद्बोधन हिन्दू एकता की नई व्याख्या करते हुए न केवल देश को मजबूत बना रहा है बल्कि भारत को विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर कर रहा है। हिन्दू एकता से ही विश्वशान्ति, विश्वसमृध्दि, विश्वसमन्वय और विश्वएकता संभव। हिन्दू एकता का किसी से विरोध नहीं है। यह सवेर्षा अविरोधेन है। हिन्दू के लिए सारा विश्व एक कुटुम्ब है। हिन्दू वसुधैव कुटुम्बकम् को मानता है। भारत को यदि पड़ोसी शत्रुओं के हाथ में जाने से बचाना है, इस्लामी जेहादी आतंकवादियों से देश की रक्षा करनी है, इस गृहयुद्ध से देश बचाना है, भारत को अखण्ड और एकात्म रखना है तो इसके लिए हिन्दू एकता अत्यावश्यक है। हिन्दू एकता में न केवल देश का बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति का हित समाया हुआ है। यद्यपि भारत आज आजाद है; पर हिन्दू समाज आज भी आजाद नहीं है। हिन्दू की गुलामी को दूर करने के लिए हिन्दू एकता आवश्यक है, इसके लिये सभी हिन्दुओं को अपनी जाति, भाषा, प्रान्त, सम्प्रदाय व राजनीतिक दलों के भेदभाव को भूलकर हिन्दू के रूप में एक छत के नीचे आना आवश्यक है तभी हम अपने देश को एक रख पायेंगे और देश की आजादी की रक्षा कर पायेंगे। मोहन भागवत ने अपनी बात को अधिक स्पष्ट करते हुए कहा, भारत सिर्फ भूगोल नहीं है; भारत की एक प्रकृति है। कुछ लोग इन मूल्यों के अनुसार नहीं रह सके और उन्होंने एक अलग देश बना लिया। लेकिन जो लोग स्वाभाविक रूप से यहीं रह गए, उन्होंने भारत के इस सार को अपना लिया। और यह सार क्या है? यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को स्वीकार करके फलता-फूलता है। हम कहते हैं विविधता में एकता, लेकिन हिंदू समाज समझता है कि विविधता ही एकता है।

आज का राशिफल

मेष करियर के लिहाज से बहुत शुभ है। तरक्की के साथ-साथ धन लाभ के भी योग बन रहे हैं।

वृषभ आज दिन तरक्की और सफलता लेकर आएगा। किस्मत पूरी तरह आपका साथ देगी।

मिथुन भाग्य का साथ मिलेगा और सम्मान में वृद्धि होगी। घर या ऑफिस में विवाद हो सकते हैं।

कर्क आज दिन बहुत शुभ है। करियर में सफलता मिलेगी और हर मामले में सफलता प्राप्त होगी।

सिंह करियर में सफलता मिलेगी। सहयोगियों पर खोया हुआ विश्वास फिर से हासिल होगा।

कन्या आज दिन असमंजस से भरा रहेगा। समझ नहीं आएगा कि क्या सही है और क्या गलत।

तुला आज जोखिम भरा कोई काम नहीं करना चाहिए। कार्यक्षेत्र में हर तरह के रिस्क से दूर रहें।

वृश्चिक आज दिन काफी अस्त-व्यस्त रहेगा। कई तरह के विवाद और झंझट सामने आ सकते हैं।

धनु करियर के मामले में लाभ होगा। सभी काम समय पर पूरे होंगे। युक्तिसंगत प्रयासों से लाभ होगा।

मकर मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। किसी बड़े लाभ के चक्कर में दिनभर भागदौड़ कर सकते हैं।

कुंभ आज दिन काफी व्यस्त रहेगा। एकदम से बहुत सारे काम आपके सामने आ सकते हैं।

मीन आज सकारात्मक सोच के साथ कार्य करेंगे तो सभी कार्यक्षेत्र में आपको सफलता मिलेगी।

विशेष

छुट्टियों के कारण कुंभ में बढी भीड?

माघी पूर्णिमा के बाद प्रयागराज में कुंभ मेले की भीड़ घटने लगती है। इस बार उल्टा हो रहा है। शनिवार इतवार की छुट्टी होने, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों की छुट्टियां 20 फरवरी तक घोषित कर दिए जाने के कारण माघी पूर्णिमा के बाद कुंभ मेले की भीड़ तेजी के साथ बढ़ने लगी। 19 फरवरी को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी कुम्भ पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार को समझ नहीं आ रहा है वह क्या करे। उसे लगता था माघी पूर्णिमा के बाद भीड़ कम होगी। उल्टा भीड़ बढ़ने लगी है। जिससे शासन और प्रशासन के हाथ पैर फूल गए हैं। पहली बार कुंभ मेले में सेना की मदद लेनी पड़ी है।

100 करोड़ का दावा,दावा ही रह गया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुंभ मेले की तैयारी को लेकर कहा था। 100 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था की गई है। खाने-पीने रुकने ठहरने एवं यात्रियों के लाने ले जाने के लिए व्यवस्था के बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन के माध्यम से कुंभ मेला की सुरक्षा व्यवस्था के दावे किए गए थे। मेला शुरू होने के बाद से ही उत्तर प्रदेश सरकार के दावों की पोल खुलती चली गई। सरकार कह रही है, 50 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु प्रयागराज के कुंभ में आकर स्नान कर चुके हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव कह रहे हैं। जब 100 करोड़ की व्यवस्था की गई थी। आधे श्रद्धालु पहुंचे और उसमें भी इतनी बड़ी अव्यवस्थाएं हुई हैं। भगदड मची है, आगजनी हुई है। 200 किलोमीटर तक का जाम लग गया। मेला क्षेत्र में सफाई नहीं हुई। श्रद्धालुओं को पीने का पानी नहीं मिला। यह कैसी व्यवस्था थी। अखिलेश यादव भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं।

कार्टून कोना

एक साल में राम मंदिर ने बना डाले कई रिकॉर्ड, कमाई में वैष्णों देवी मंदिर और शिरडी सांई मंदिर को पीछे छोड़ तीसरे नंबर में पहुंचा

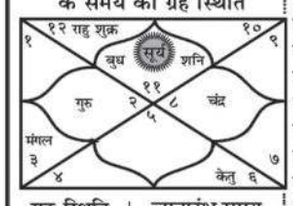


आज का इतिहास

1833 मिश्र के साथ युद्ध में तुर्की की मदद के लिए रूसी जहाज बास्फोरस की खाड़ी में पहुंचे. 1868 अमृत बाजार पत्रिका का बंगला भाषा में साप्ताहिक के रूप में प्रकाशन शुरू हुआ. 1940 इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका में नए निवेशों पर लगी पाबंदियाँ उठा लेने की घोषणा की. 1942 द्वितीय विश्वयुद्ध में जापानी सैनिकों ने डच ईस्टइंडीज में बाली पर हमला किया. 1947 ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली ने भारत को आजादी देने के बारे में घोषणा की. 1962 जान एच.ग्लेन अमरीका के प्रथम अंतरिक्ष यात्री बने. 1968 मुंबई के के.ई.एम अस्पताल के डॉ. पो. के .सेन ने ह्रदय प्रत्यारोपण का पहला ऑपरेशन किया. 1976 मुंबई हाई में कच्चे तेल का व्यावसायिक स्तर पर उत्पादन शुरू हुआ. 1982 कन्हार नदी जल पर उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में समझौता. 1987 मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश का क्रमश 23वाँ व 24वाँ राज्य के रूप में उद्घाटन. 1987 मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश पूर्ण राज्य बने.

दैनिक पंचांग

20 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.42 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	09.12 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.52 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.50 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	15.04 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	17.20 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.32 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.43 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.57 ब.से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		धनु	02.13 बजे से
		मकर	04.18 बजे से
		कुंभ	06.05 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 51 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण तिथि सप्तमी 09.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 13.30 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 11.34 बजे को समाप्त।
करण बव 09.59 बजे तदनन्तर बालव 23.03 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 21.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 55'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872261
जूलियन दिन 2460726.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना शाबान तारीख 21
विशेष कालाष्टमी, शबरी जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से



सिर्फ फैशन नहीं पैशन बनकर भी उभर रहा टैटू आर्टिस्ट कॅरियर

कई बॉलीवुड सेलिब्रिटी इसे अपने शरीर पर बनवा चुके है। हां ये बात जरुर ध्यान रखने लायक है कि इन्हें काफी सोच- समझकर ही बनवाना चाहिए क्योंकि इसे आसानी से नहीं मिटाया जा सकता है। इसको बनाने के लिए मशीन का उपयोग किया जाता है। टैंपररी टैटू इस तरह के टैटू काफी पापुलर है क्योंकि इन्हैं आसानी से रिमूव किया जा सकता हैं।

योग्यता

टैटू आर्टिस्ट बनने के लिए इसके लिए क्रिएटिव होना बेहद जरुरी है। टैटू शरीर के विभिन्न हिस्सों जैसे बांह, कलाई, पीठ, पेट पैरों जैसे बॉडी पार्ट पर बनाए जाते है। अब ये आप पर है कि आप कैसे अपनी क्रिएटिविटी दिखाते है। विविध कलर कॉम्बीनेशन, केमिकल्स जिसका उपयोग टैटू बनाने के लिए किया जाता है उनकी जानकारी होना बेहद जरुरी है।

कैसे और कहां से ले ट्रेनिंग

इसके लिए किसी कॉलेज या युनिवर्सिटी से डिग्री या डिप्लोमा लेने की जरुरत नहीं है। इसके लिए कई संस्थान सामान्य ट्रेनिंग के जरिये टैटू मेकिंग सिखा कर लाइसेंस देते है। इसका लाइसेंस पाने के लिए एलायंस ऑफ प्रोफेशनल टैटूइस्ट्स (एपीटी) ने कुछ बेसिक स्टैंडर्ड तय किए है। भारत की लगभग सभी बड़ी मेट्रो सिटीज में इस कला की ट्रेनिंग देने के लिए स्टूडियोज बनाए गए है। इस कोर्स की अवधि लगभग 4 से 5 सप्ताह हो सकती है और खर्चा 75 हजार से लेकर 1 लाख तक हो सकता है।

कितनी होती है कमाई

शुरुआत में आपको इसके लिए 15 से 20 हजार रुपए मिल सकते है लेकिन अगर आपका काम अच्छा है तो आप नाम के साथ दाम भी कमा सकते है। एक टैटू आर्टिस्ट के तौर पर आप लाखों रुपए भी कमा सकते है। एक सफल टैटू आर्टिस्ट बनने के लिए जरुरी है कि आपको नए ट्रेंड की जानकारी होनी चाहिए। क्योंकि टैटू से त्वचा में कई तरह के संक्रमण भी फैलते है ऐसे में इसके बारे में भी आपको जानकारी होना चाहिए। आपको अपना नॉलेज बढ़ाने के लिए सेमिनार्स और वर्कशॉप भी अटेंड करते रहना चाहिए।



कैसे करें जेईई परीक्षा की तैयारी

आईआईटी में पढ़ाई करना हर छात्र का सपना होता है। हाल के सालों में कई आईआईटी के कई छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया है।

आईआईटी में पढ़ाई करना हर छात्र का सपना होता है। हाल के सालों में कई आईआईटी के कई छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया है। छात्रों के लिए भारत के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश मिलना गर्व का क्षण होता है। इनमें प्रवेश के लिए ज्यादातर छात्र कोचिंग संस्थानों में कोचिंग करते हैं और इन संस्थानों के सुनियोजित और वैज्ञानिक ढंग से तैयार किए गए पाठ्यक्रम के कारण उन्हें सफलता भी मिलती है।

जेईई परीक्षा के बारे में कुछ रोचक तथ्य

जेईई एडवांस्ड की परीक्षा पास करने वले 56 प्रतिशत अभ्यर्थी किसी भी कोचिंग संस्थान में नहीं गए थे। इनमें से कुछ टॉप 50 या टॉप 100 की रैंक में शामिल अभ्यर्थी भी थे। जेईई एडवांस्ड परीक्षा पास करने वाले 87 प्रतिशत अभ्यर्थी मध्यम और निम्न मध्यम आय वर्ग के थे, जिनके परिवार की सालान औसत आय पांच लाख रुपए से कम थी। 50 प्रतिशत से ज्यादा अभ्यर्थी ग्रामीण और अर्ध ग्रामीण क्षेत्रों से थे जहां प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जेईई परीक्षा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कैसे उत्तीर्ण की जा सकती है और यह कैसे सहायक है? यहां हम बिना किसी कोचिंग जेईई मुख्य परीक्षा पास करने के लिए कुछ विशेषज्ञ टिप्स आपको बता रहे है-

प्रासंगिक स्टडी मैटिरियल प्राप्त करे

उपयुक्त दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम का चयन सफलता के लिए पहला कदम है। प्रासंगिक स्टडी मैटिरियल प्राप्त करना, विशेषज्ञ गाइड बुक हासिल करना, जेईई स्टडी पैकेज, पिछले सालों के हल किए हुए प्रश्न पत्र आदि इकट्ठा करना हर छात्र की प्राथमिकता होना चाहिए। एक अच्छा और आसानी से समझ में आना वाला स्टडी मैटिरियल छात्र को पढ़ाई में बहुत सहायता कर सकता है। कुछ बड़े संस्थान अभ्यर्थियों को न सिर्फ स्टडी मैटिरियल देते हैं, बल्कि टेस्ट सिरीज भी उपलब्ध कराते है। ऑनलाइन टेस्ट सिरीज, विषय अनुसार पढ़ाई, शंकाएं दूर करने में सहायता, शिक्षकों से समय-समय पर संवाद और कक्षाओं की व्यवस्था भी इनके कार्यक्रम में शामिल होती है।

अपने टाइमटेबल का सख्ती से पालन करें

तैयारी के लिए समय का प्रबांधन सबसे जरूरी बात है। अपने सपने पूरे करने के लिए आपको अनुशासित रहना होगा और टाइमटेबिल का सख्ती से पालन करना होगा। अभ्यर्थी को साप्ताहिक टाइम टेबिल बनाना चाहिए और अपनी नियमित पढ़ाई के अलावा हर सप्ताह करीब 30 घंटे जेईई के गम्भीर अध्ययन के लिए देने चाहिए।

हर टॉपिक का सारांश खुद लिख कर तैयार करें

जेईई की तैयारी में खुद के लिखे हुए नोट्स फार्मूले, टिप्स आदि याद रखने में बहुत सहायता करते है। छात्रों को टॉपिक को याद करने और समझने के लिए जरूरी चित्र, कैरीकैचर, फिगर्स आदि भी बनाने चाहिए।

खुद की कमियां दूर करने के लिए करते रहें खुद का आकलन

एक अच्छे दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के तहत छात्रों को ऐसी टेस्ट सिरीज दी जाती है, जिससे छात्र जेईई का वास्तविक अनुभव ले सकें। इसके अलावा ये संस्थान विषय, टॉपिक और प्रश्नपत्र के आधार पर गम्भीर विश्लेषण भी कराते है जो काफी उपयोगी साबित होता है। खुद की कमियों को समझने के लिए प्रदर्शन आधारित विश्लेषण बहुत जरूरी है। इसकी उपेक्षा करना बहुत बड़ी भूल साबित हो सकता है। समस्याओं के रणनीतिक और मेथड आधारित समाधान के लिए मेहनत सबसे ज्यादा जरूरी है। कुछ बड़े संस्थान जैसे फिट जी और पीएटी आदि ऑनलाइन पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन भी उपलब्ध कराते हैं, जिन पर छात्र अखिल भारतीय टेस्ट के माध्यम से अपनी तैयारी की जांच कर सकते है। प्रदर्शन विश्लेषण कई मापदण्डों जैसे पिछले प्रश्नपत्रों के तुलनात्मक विश्लेषण, प्रोग्रेसिव विश्लेषण आदि पर आधरित होता है। इससे छात्रों को अपनी तैयारी सही ढंग से करने में सहायता मिलती है।

जेईई विशेषज्ञों के सम्पर्क में रहें

कुछ संस्थान दूरस्थ शिक्षा के छात्रों के लिए प्रतिमाह परिणाम विश्लेषण और शंका समाधान के सत्र आायोजित करते है। ये सत्र उनके अध्ययन केन्द्रों पर एक-दो दिन के लिए आयोजित किए जाते है। इससे छात्र शिक्षकों से व्यक्तिगत रूप से मिल पाते हैं और उनकी समस्याओं का वहीं समाधान हो जाता है। उन्हें कक्षा का नियमित छात्र होने का अनुभव भी मिल जाता है।

सकारात्मकता रखें

आपका व्यवहार हमेशा सकारात्मक रहना चाहिए। खुद को सकारात्मक उर्जा से भरते रहें। खुद में विश्वास रखें, मेहनत करें और लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित रखें।

अच्छा खाएं, पूरा सोएं और तनावमुक्त रहें-तैयारी के दौरान कुछ समय आराम करने से चीजें बेहतर ढंग से याद रहती है। खुद पर ज्यादा भार न डाले और दिमाग को ट्रेक पर लाने के लिए कुछ समय दें। परिवार और मित्रों के साथ समय बिताने से आपका तनाव दूर होगा। संतुलित भोजन, प्रोटीन और पेय पदार्थ लें। जेईई की गम्भीर तैयारी करने वाले के लिए आठ घंटे की नींद बहुत जरूरी है। इसके साथ ही दो घंटे रोज मनोरंजक गतिविधियों के लिए भी रखें। इससे आपका दिमाग तनावमुक्त बनेगा। इसके अलावा ध्यान लगाना भी बहुत अच्छा उपाय है।





क्या है बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर कोर्स

बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर(बी. आर्च) को हम वास्तुकला के नाम से भी जानते है। बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर पांच साल का स्नातक कोर्स या कार्यक्रम है। बी.आर्च एक तकनीकी पाठ्यक्रम अध्ययन है। जो विशेषकर एक वास्तुकार बनने के लिए आवश्यक है।

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत छात्रों को उनके नए विचारों और विश्लेषणात्मक योग्यता को और विकसित कर व्यावसायिक इमारतों, मॉल, परिसरों, राजमार्गों के निर्माण का अध्ययन कराया जाता है।

शैक्षिक योग्यता

बैचलर ऑफ़ आर्किटेक्चर कोर्स करने के लिए 10 + 2 की परीक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होनी चाहिए। बी.आर्च कोर्स की अवधि पांच साल की होती है।

इसे करने के फायदे

एक वास्तुकार का हर प्रोजेक्ट में काम अलग-अलग होता है। बी आर्च के कोर्स में ड्राइंग कौशल का विकास किया जाता है। अगर आप कुछ अलग करना चाहते है। तो आप बी.आर्च का कोर्स कर सकते हैं। यह एक चुनौतीपूर्ण काम है। आप एक सफल आर्किटेक्टर के रूप में अपने करियर को संवार सकते हैं।

जॉब स्कोप

बैचलर ऑफ आर्किटेक्टर का कोर्स सफल रूप से करने के बाद छात्रों के पास वास्तुकला के क्षेत्र में अपने करियर को बेहतरीन बनाने के सुनहरे अवसर होते हैं। जैसे- आर्किटेक्टरल इंजीनियर, आर्ट डायरेक्टर,बिल्डिंग कांट्रेक्टर एंड रेसेअर्चेर, इंटीरियर डिज़ाइनर,लैंडस्केप आर्किटेक्ट, डिजाईन इंजीनियर, ट्रांसपोर्ट प्लानर, प्लानिंग इंजीनियर, अर्बन प्लानर बन सकते हैं।

टॉप कॉलेज

बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर से सम्बंधित बहुत से कॉलेज है। जो बी. आर्च का कोर्स करवाते है। जो स्टुडेंट आर्किटेक्टर के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं वे ये कोर्स कर सकते हैं। आर्किटेक्टर का कोर्स करने के लिए छात्र इन कॉलेज में से अपना बेस्ट कॉलेज का चयन कर सकते हैं।

- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी खड़गपुर
- स्कूल ऑफ़ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी रूडकी
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी तिरुचिरापल्ली
- सर जे जे कॉलेज ऑफ़ आर्किटेक्चर मुम्बई
- विस्वेसराय नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी नागपुर
- सेंटर फॉर एनवायर्नमेंटल प्लानिंग एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी अहमदाबाद
- लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटीजालंधर
- सुशांत स्कूल ऑफ़ आर्ट एंड आर्किटेक्चर गुडगाँव
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी नई दिल्ली



वित्तीय व फाइनेंस में करें पीजी डिप्लोमा



बैंकिंग और फाइनेंस एक बेहद आकर्षक क्षेत्र है। इस कोर्स के पूरा होने के बाद न्यूनतम सैलरी के रूप में 35 हजार रुपए तक मिलता है। तजुर्बे के साथ साथ सैलरी में इजाफा होता चला जाता है। डिपार्टमेंटल एग्जाम में उत्तीर्ण होकर या फिर अनुभव के आधार पर भी उन्नति होती रहती है तो जाहिर है सैलरी में भी इजाफा होना लाजिमी है। बैंकिंग में रूचि रखने वाले लोगों के लिए यह कोर्स एक बेहतर विकल्प साबित होगा।

हर किसी के लिए बैंक में नौकरी पाना सर्वोपरि होता है इसके बाद लोग अन्य क्षेत्र में भाग्य आजमाते हैं। हर गांव को बैंक से जोडने की पहल में बैंकिंग सेक्टर तेजी के साथ कदम बढ़ा रहा है और इसमें अवसर भी उसी तेजी के साथ पैदा हो रहे हैं। ऐसे में अगर आप बैंकिंग एवं फाइनेंस में पीजी डिप्लोमा करना चाहते हैं तो पहले वित्तीय जानकारी एवं बाजार की परिस्थितियों की अच्छी समझ हो। चूंकि बैंकों व वित्तीय संस्थानों में पैसों का लेन देन होता है ऐसे में पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की क्षमता होनी चाहिए। साथ उनमें मजबूत विश्लेषणात्मक कौशल होना जरूरी है।

क्या क्या पढ़ें

पीजी डिप्लोमा इन बैंकिंग एवं फाइनेंस के तहत मूलभूत बैंकिंग नौकरी संबंधी प्रोफाइल जैसे धन जमा करना, डिमांड ड्राफ्ट बनाना और अन्य बैंकिंग कार्यों को संभालना आदि सिखाया जाता है। विभिन्न बैंकों के बीच में बैंकिंग कार्य, आसान खाता बही, कॉरपोरेट क्रेडिट, परियोजना क्रेडिट वित्तीय क्रेडिट और उपभोक्ता क्रेडिट आदि कार्यों को भी इसके तहत सिखाया जाता है। पाठ्यक्रम के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के तीस और 50 निजी क्षेत्र के बैंक और फाइनेंशियल सेक्टर में काम करने की उम्मीदें बंधती हैं। इनमें ट्रेनिंग के बाद कई तरह के पदों की उम्मीद बंधती हैं जैसे वित्तीय प्रबंधक, बैंक टेलर, बिल और लेखा समाहर्ता। सभी योग्य छात्रों को इन संस्थानों में प्रबंधकीय नौकरी मिलती है।

योग्यता

बैंकिंग और फाइनेंस में पीजी डिप्लोमा करने के लिए छात्र को स्नातक में किसी भी विषय के तहत 50 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होना चाहिए। कई संस्थान एससी/एसटी और ओबीसी को 5 फीसदी तक की छूट भी प्रदान करते हैं। इसमें भले ही कोई इस मानक को पूरा करने वाला पढ़ाई कर सकता है लेकिन संस्थान छात्रों को सलाह देते हैं कि वही इस तरफ का रूझान करे जिसकी दिलचस्पी फाइनेंस में हो। आजकल इस विशय में दो साल एमबीए करने के बजाए लोग पीजी डिप्लोमा को तरजीह देते हैं क्योंकि एक साल के कोर्स के बाद ही उन्हें बैंकों में अच्छी नौकरी मिल जाती है।

कैसे मिलता है दाखिला

यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां काम समाप्त करने की कोई समय सीमा नहीं है। यहां जरूरत है इस बात कि है कि संबंधित व्यक्ति तुरंत चीजों को समझे और उसमें इस बात की योग्यता हो कि वह तर्क को समझने की क्षमता रखता हो। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में पीजी डिप्लोमा करने के लिए पहले तो एप्टीट्यूड टेस्ट में पास होना जरूरी है और इसमें निजी रूप से साक्षात्कार भी देना होगा। इसमें मूलतः अंग्रेजी, गणितीय योग्यता, लिखित परीक्षा में रीजनिंग आदि की जांच की जाती है। असल में यह जानने की कोशिश की जाती है कि छात्र को मूल ज्ञान है कि नहीं। परीक्षा पूर्ण होने के बाद उन्हें इंटर्नशिप, शिक्षा लोन आदि कोर्स के बारे में बताया जाता है।

कॅरियर और प्लेसमेंट

इस क्षेत्र में करियर के बेशुमार अवसर उपलब्ध हैं। कोर्स के ख़त्म होने के बाद इंटरनेशनल बैंकिंग, फोरेक्स और ट्रेजरी, कॉर्पोरेट लोन्स, फाइनेंशियल रिसर्च से सम्बंधित संस्थानों में नौकरी के विकल्प खुल जाते हैं। कई अंतर्राष्ट्रीय बैंक्स अलग अलग स्किल्स के अभ्यार्थियों को अच्छी सैलरी में प्लेसमेंट देते हैं। सार्वजनिक बैंक ज्यादातर अखिल भारतीय स्तर की परीक्षा के आधार पर क्लर्क और प्रोबेशनरी ऑफिसर्स के पदों के लिए वैकेंसी निकालते हैं।

आमदनी का जरिया

बैंकिंग और फाइनेंस एक बेहद आकर्षक क्षेत्र है। इस कोर्स के पूरा होने के बाद न्यूनतम सैलरी के रूप में 50 हज़ार रुपए तक मिलता है। तजुर्बे के साथ साथ सैलरी में इजाफा होता चला जाता है। डिपार्टमेंटल एग्जाम में उत्तीर्ण होकर या फिर अनुभव के आधार पर भी उन्नति होती रहती है तो जाहिर है सैलरी में भी इजाफा होना लाजिमी है। बैंकिंग में रूचि रखने वाले लोगों के लिए यह कोर्स एक बेहतर विकल्प साबित होगा।

आरबीआई दरों में कटौती करने के बजाय तरलता को आसान बनाए, मिश्रा बोले-वृद्धि दर बढ़ाने पर हो जोर



मुंबई एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक का इरादा विकास को गति देना है तो उसे दरों में कटौती करने के बजाय तरलता को आसान बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अंशकालिक सदस्य नीलकंठ मिश्रा ने कहा, इस महीने की शुरुआत में दरों में कटौती की गई और आगे ऐसा होता है तो उधारी में वृद्धि नहीं होगी साथ ही, तरलता की दिक्कत से बाधा उत्पन्न होगी। मिश्रा ने मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा, आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने कहा, उसका उद्देश्य वित्तीय स्थितियों को आसान बनाना और विकास को समर्थन देना है, तो मेरा सुझाव सबसे पहले तरलता पर ध्यान केंद्रित करना होगा, क्योंकि दरों में कटौती से मदद नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा, यदि दर में कटौती का उद्देश्य अधिक उधार लेना है, तो नए कर्ज कम दर पर नहीं मिलेंगे, क्योंकि पिछले 18 महीनों से चल रही तरलता की तंगी के कारण पैसे जुटाने की लागत ऊंची बनी हुई है। रेपो दर में 0.25 फीसदी कटौती के बावजूद एक साल की जमा प्रमाणपत्र दर अब भी 7.8 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी हुई है। मिश्रा ने कहा, विश्लेषकों को इस साल तीन बार में 0.75 फीसदी तक ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद है। आरबीआई ने रेपो दर घटाने के बाद उम्मीद जताई थी कि लगभग 40 प्रतिशत ऋणों का पुनर्मूल्यांकन तुरंत हो जाएगा, क्योंकि वे बाहरी बेंचमार्क से जुड़े हुए हैं। अन्य में दो तिमाहियों तक का समय लगेगा।

दिल्ली और मुंबई में खुलेगा टेस्ला का शोरूम



नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में एंट्री करने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टेस्ला अप्रैल से ही अपनी गाड़ियां बेचना शुरू कर सकती है। कंपनी बर्लिन प्लांट में बनी इम्पोर्टेड गाड़ियां भारत में बेचने की योजना बना रही है। कंपनी भारत में करीब 25,000 अमेरिकी डॉलर (21 लाख रुपये) कीमत वाली सस्ती इलेक्ट्रिक कारें पेश कर सकती है। टेस्ला ने मुंबई में बीकेसी और दिल्ली में एयरोसिटी को अपना शोरूम खोलने के लिए शॉर्टलिस्ट किया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक टेस्ला ने नई दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एयरोसिटी इलाके में एक शोरूम के लिए जगह लीज पर लेने का फैसला किया है। इसी तरह मुंबई में कंपनी ने एयरपोर्ट के करीब बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में जगह चुनी है। टेस्ला कई साल से भारत में एंट्री करने की कोशिश कर रही है। मस्क ने हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका में मुलाकात की थी। इसके बाद टेस्ला की भारत में एंट्री के लिए हलचल तेज हो गई है। कंपनी ने कई अधिकारियों को भर्ती करने के लिए विज्ञापन जारी किया है। टेस्ला को भारत में टैरिफ पर आपत्ति थी। सरकार ने महंगी गाड़ियों पर टैरिफ 100 फीसदी से घटाकर 70 फीसदी कर दिया है। साथ ही देश में 50 करोड़ डॉलर का न्यूनतम निवेश करके मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने वाली कंपनियों को आयात शुल्क में छूट दी जाएगी। यह कदम टेस्ला जैसी प्रमुख ऑटो कंपनियों को आकर्षित करने के मकसद से उठाया गया था।

अदाणी केस में अमेरिकी नियामक ने कानून मंत्रालय से मांगी मदद

2029 करोड़ की रिश्वत देने का है आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिभूति विनिमय आयोग (एसईसी) ने उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे के खिलाफ कथित प्रतिभूति धोखाधड़ी और 265 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिश्वतखोरी योजना की जांच में कानून मंत्रालय से मदद मांगी है।

गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी पर अमेरिका में लगे हैं आरोप

अमेरिकी एसईसी ने न्यूयॉर्क जिला न्यायालय को बताया कि गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर तक अपनी शिकायत पहुंचाने की लगातार कोशिश कर रहा है। नियामक ने बताया है कि उसने अदाणी तक अपनी शिकायत पहुंचाने के लिए भारत के कानून मंत्रालय से मदद मांगी है। नियामक ने बताया कि उसने पहले ही अदाणी और उनके वकील से संपर्क कर लिया और उन्हें मुकदमे की सूचना भेज दी

सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 2029 करोड़ की रिश्वत देने का है आरोप

पिछले साल नवंबर में, अमेरिकी अभियोजकों ने गौतम अदाणी और अन्य पर



2020-2024 के बीच राज्य बिजली वितरण कंपनियों के साथ सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 265 मिलियन अमरीकी डालर (लगभग 2,029 करोड़ रुपये) की रिश्वत देने का आरोप लगाया था। अमेरिका में गौतम अदाणी के खिलाफ अभियोग में आरोप लगाया गया है कि उद्योगपति ने भारत में सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए रिश्वत दी और धोखाधड़ीपूर्ण वित्तीय खुलासे कर अमेरिकी निवेशकों को गुमराह किया।

सागर और गौतम अदाणी के खिलाफ शिकायत संबंधी नोटिस पहुंचाने के प्रयास जारी, एसईसी ने अमेरिकी कोर्ट को बताया

अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने अमेरिका की एक संघीय न्यायाधीश को बताया कि कथित रिश्वतखोरी मामले में गौतम अदाणी और सागर अदाणी के खिलाफ शिकायत संबंधी नोटिस पहुंचाने के उसके प्रयास जारी हैं। इसके लिए भारतीय अधिकारियों से भी सहायता का अनुरोध किया गया है। एसईसी ने भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और सागर अदाणी को अपनी शिकायत के संबंध में नोटिस पहुंचाने के अपने प्रयासों के संबंध में न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के 'यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' के न्यायाधीश निकोलस गरौफिस के समक्ष मंगलवार को एक स्थिति रिपोर्ट पेश की। एसईसी ने कहा कि गौतम अदाणी और सागर अदाणी दोनों भारत में रहते हैं और उन्हें शिकायत का नोटिस जारी करने के लिए एसईसी के प्रयास जारी हैं। इसके लिए भारतीय अधिकारियों से दीवानी या वाणिज्यिक मामलों में न्यायिक और न्यायेतर दस्तावेजों की विदेश में सेवा के लिए 'हेग सर्विस कन्वेंशन' के तहत मदद का अनुरोध भी किया गया है।

एसईसी ने क्या-क्या कहा : एसईसी ने कहा कि पिछले वर्ष 20 नवंबर की उसकी शिकायत में आरोप लगाया गया था कि गौतम अदाणी और सागर अदाणी ने 'अदाणी ग्रीन' द्वारा सितंबर 2021 की ऋण पेशकश के संबंध में अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के बारे में जानबूझकर या लापरवाही से गलत तथा भ्रामक बयान देकर संघीय प्रतिभूति कानूनों के धोखाधड़ी विरोधी प्रावधानों का उल्लंघन किया।

म्यूचुअल फंड के नियमों में सेबी ने किया अहम बदलाव

एनएफओ पैसे ज्यादा देर होल्ड नहीं कर सकते एएमसी

नईदिल्ली, एजेंसी। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने म्यूचुअल फंड के नियमों में बदलाव करते हुए असेट मैनेजमेंट कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे नए फंड ऑफर से जुटाए गए पैसे को तय समय सीमा के अंदर निवेश करें। साथ ही, रेगुलेटर ने निवेशकों को ज्यादा पारदर्शिता देने के लिए म्यूचुअल फंड स्कीम्स के स्ट्रेस टेस्टिंग की जानकारी देने का भी आदेश दिया है। ये बदलाव 1 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। इसका मकसद म्यूचुअल फंड्स के लिए कामकाज में लचीलापन लाना और निवेशकों के बीच ज्यादा जवाबदेही और भरोसा सुनिश्चित करना है।

सेबी ने निवेश समयसीमा के बारे में 14 फरवरी को जारी एक अधिसूचना में



कहा, एनएफओ में जमा राशि का उपयोग तय समयसीमा में किया जाएगा। इस बारे में बोर्ड समय-समय पर निर्देश जारी कर सकता है। यह बदलाव सेबी बोर्ड द्वारा दिसंबर में एक प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद आया है। इसमें फंड मैनेजरों को एनएफओ के दौरान इकट्ठा किए गए धन को स्कीम के तय असेट एलोकेशन के अनुसार 30 दिनों के भीतर निवेश करने के लिए कहा गया था।

निवेशकों के सामने ये विकल्प- रेगुलेटर ने कहा था कि अगर तय समय सीमा के अंदर पैसा निवेश नहीं किया जाता है, तो निवेशकों को बिना एग्जिट लोड चुकाए स्कीम से बाहर निकलने का विकल्प होगा। ये बदलाव एएमसीएस को एनएफओ के दौरान ज्यादा पैसा इकट्ठा करने से रोकता है। इसकी वजह ये है कि निवेशक बाद में मौजूदा नेट असेट वैल्यू पर ओपन-एंडेड स्कीम्स में निवेश कर सकते हैं। असेट मैनेजमेंट कंपनियों के कर्मचारियों के लिए काम करने में आसानी के लिए भी सेबी ने कदम उठाए हैं। सेबी का कहना है कि एएमसी ऐसे कर्मचारियों के वेतन का एक प्रतिशत म्यूचुअल फंड स्कीम की यूनिट में निवेश करेगा।

2 दिन भारी नुकसान कराने के बाद ड्रोन बनाने वाली कंपनी के शेयर ने आज भरी उड़ान

नईदिल्ली, एजेंसी। लगातार दो दिन भारी नुकसान कराने के बाद आज ड्रोन बनाने वाली कंपनी जेन टेक्नोलॉजीज के शेयर उड़ान भर रहे हैं। सोमवार को 20 पर्सेंट और मंगलवार को 10 पर्सेंट का लोअर सर्किट लगने के बाद आज जेनटेक के शेयरों में 10 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा है। कंपनी के शेयर आज 964.95 रुपये पर खुले और 945.35 रुपये तक आने के बाद 1069.20 रुपये पर पहुंच गए।

52 हफ्ते के हाई 2627 रुपये से यह स्टॉक आधे से भी कम रेट पर मिल रहा है। इसका 52 हफ्ते का हाई 800 रुपये है। एक महीने में इस स्टॉक का मूल्य 51 पर्सेंट से अधिक गिर चुका है। जबकि, 5 दिन में इसमें 27 पर्सेंट से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। आज के उछाल के बावजूद



केवल इस साल जेन टेक्नोलॉजीज के शेयर 56 फीसद से अधिक टूट चुके हैं। हालांकि, एक साल में इसने 32 पर्सेंट का शानदार रिटर्न दिया है।

जेनटेक का शेयर होल्डिंग पैटर्न : जेन टेक्नोलॉजीज के शेयर होल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर्स की हिस्सेदारी सितंबर तिमाही में 51.26 पर्सेंट थी, जो दिसंबर तिमाही में घटकर 49.05 पर्सेंट रह गई। हालांकि, विदेशी निवेशकों ने इस अवधि में अपनी शेयर होल्डिंग को 5.72 पर्सेंट से बढ़ाकर 8.29 पर्सेंट कर लिया। इसी अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भी अपनी हिस्सेदारी 8.05 पर्सेंट से बढ़कर 8.97 पर्सेंट कर ली। जबकि, सार्वजनिक हिस्सेदारी 34.49 पर्सेंट से घटकर 33.24 पर्सेंट रह गई।

कैसे रहे दिसंबर तिमाही के नतीजे : जेन टेक्नोलॉजीज को दिसंबर 2024 की तिमाही के दौरान कुल नेट प्रॉफिट 38.62 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 22 पर्सेंट की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 31.67 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही की तुलना में तीसरी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट लगभग आधा हो गया है।

कर्मचारियों की हो गई मौज, सप्ताह में 70 या 90 घंटे नहीं

वीबा कंपनी में काम करना होता है महज 40 घंटे

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्क लाइफ बैलेंस या काम और जीवन के बीच संतुलन की बात तो काफी समय से चल रही है। लेकिन पिछले कुछ महीनों में इस पर बहस और ज़्यादा बढ़ गई है। साल 2023 में, इनफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने युवाओं के 70 घंटे प्रति सप्ताह काम करने पर टिप्पणी करके इस बहस को हवा दी थी। फिर 2024 में, एलएंडटी के चेयरमैन एस.एन. सुब्रमण्यम ने कर्मचारियों को रविवार सहित 90 घंटे प्रति सप्ताह काम करने का सुझाव देकर इस आग में घी डाल दिया। लोगों ने न सिर्फ़ सुब्रमण्यम की टिप्पणी की निंदा की, बल्कि मूर्ति और सुब्रमण्यम के लंबे काम के घंटों वाले अव्यवहारिक विचारों पर भी सवाल उठाए। हाल ही में, अरबपति एलोन मस्क ने एक्स पर शेयर किया कि डीओजीइ में लोग 120 घंटे प्रति सप्ताह काम करते हैं, जिसने कई लोगों को चौंका दिया। लेकिन, अब एक भारतीय कंपनी लंबे काम के घंटों के इस चलन को चुनौती दे रही है, वह भी अपने काम के घंटों को आधा करके!

हाल ही में एक पॉडकास्ट में, वीबा के संस्थापक और प्रबंध निदेशक विराज बहल ने प्रति सप्ताह 70 या 90 घंटे काम करने के विचार को खारिज कर दिया। काम और जीवन के बीच संतुलन की ज़रूरत के बारे में बात करते हुए, बहल ने कहा कि इतने लंबे काम के घंटे पुराने हो चुके हैं और कर्मचारियों के लिए अनुचित हैं। इसलिए, अपनी कंपनी में उन्होंने कार्य सप्ताह को घटाकर 40 घंटे कर दिया है। बहल पॉडकास्ट द रॉकफोर्ड सर्कल में



चित्रांगदा सिंह से बात कर रहे थे। बहल ने यह भी कहा कि लोगों को इक्विटी हिस्सेदारी या पर्याप्त वित्तीय लाभ दिए बिना इतने लंबे समय तक काम करने के लिए मजबूर करना, लंबे समय में कंपनी के लिए एक टिकाऊ तरीका नहीं है।

टिकाऊ तरीका नहीं- उन्होंने कहा लोगों को इक्विटी हिस्सेदारी या पर्याप्त वित्तीय लाभ दिए बिना इतने लंबे समय तक काम करने के लिए मजबूर करना, लंबे समय में कंपनी के लिए एक टिकाऊ तरीका नहीं है। बहल ने उस भाग-दौड़ और कड़ी मेहनत वाली संस्कृति के ख़िलाफ़ भी बात की, जिसे अक्सर महिमामंडित किया जाता है। हालांकि वह इस बात से सहमत थे कि नए व्यवसायों को शुरुआती दौर में अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता होती है, लेकिन लंबे समय में भाग-दौड़ वाली संस्कृति कर्मचारियों और कंपनी दोनों के लिए उलटी साबित होती है। उन्होंने जीवन के सभी क्षेत्रों में संतुलन की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया।

कौन हैं विराज बहल- विराज बहल के पिता, राजीव बहल की कंपनी थी फन फ़ूड्स। इसी में विराज बहल ने फूड मैन्यूफैक्चरिंग में रुचि विकसित की। हालांकि, विराज बहल ने सिंगापुर पॉलिटेक्निक में मरीन इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और बाद में मर्चेंट नेवी में काम किया। आर्थिक रूप से स्थिर होने के बाद, बहल ने अपनी उच्च-वेतन वाली नौकरी छोड़ दी और अपने पारिवारिक व्यवसाय में आ गए।

अब कोई नहीं बेच पाएगा आपको गलत इंश्योरेंस पॉलिसी, पक्का इलाज करने की तैयारी में सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार इंश्योरेंस सेक्टर में कई बदलाव लाने में लगी हुई है। ये सब लोगों को मिस-सेलिंग से बचाने और देश में अधिक से अधिक लोगों को इंश्योरेंस कराने के लिए है। मसलन, पॉलिसी का फ्री-लुक पीरियड बढ़ाना और कॉम्पोजिट इंश्योरेंस लाइसेंस शुरू करना। इसका मतलब है कि पॉलिसी लेने के बाद अगर आपको कुछ गलत लगे तो आप उसे वापस कर सकते हैं। इसके अलावा एक ही लाइसेंस से कई तरह की इंश्योरेंस सर्विस मिल सकेंगी। इससे गलत तरीके से पॉलिसी बेचने का काम कम होगा और ज्यादा लोग इंश्योरेंस के दायरे में आएंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, गलत हथकंडे अपनाकर पॉलिसी बेचने की समस्या को कम करने के लिए एक अहम कदम है। अहम बदलाव में फ्री-लुक पीरियड को पॉलिसी मिलने की तारीख से एक महीने की जगह बढ़ाकर एक साल



करना शामिल है। इससे पॉलिसीधारक पॉलिसी लेने के बाद शर्तों को अच्छे से देख पाएंगे। अगर जरूरत ना हो तो उसे कैंसल भी कर सकते हैं। सरकार एक कॉम्पोजिट इंश्योरेंस लाइसेंस पर भी विचार कर रही है। इससे इंश्योरेंस कंपनियां एक ही संस्था के तहत लाइफ और नॉन-लाइफ, यानी हेल्थ इंश्योरेंस समेत सभी इंश्योरेंस प्रॉडक्ट्स दे पाएंगी। इसके अलावा, योजना है कि इंश्योरेंस प्रॉडक्ट्स सिर्फ प्रशिक्षित एजेंट्स ही बेच सकेंगे।

फाइनैंशल सर्विसेज सेक्रेटरी एम. नागराजू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इंश्योरेंस कानूनों में होने वाले इन बदलावों का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि इंश्योरेंस सेक्टर में 100 प्रतिशत एफडीआई के लिए कानून में बदलाव जरूरी है। इस पर अंदरूनी बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कानून में बदलाव के साथ-साथ, निवेश, मुनाफे की वापसी और इंश्योरेंस कंपनियों के मैनेजमेंट से जुड़े नियमों में भी बदलाव किया जाएगा। संसद से कानून पास होने के बाद ये नियम लागू कर दिए जाएंगे। नागराजू ने कहा, सरकार इंश्योरेंस में बड़े बदलाव कर रही है जिससे देश में अधिक से अधिक लोग इंश्योरेंस के दायरे में आ सकेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पहले ही कह चुकी हैं कि विदेशी कंपनियां 100 प्रतिशत निवेश कर सकेंगी। इन बदलावों में एक ही लाइसेंस से कई तरह के इंश्योरेंस बेचने की भी इजाजत शामिल है। ये सारे बदलाव वित्त मंत्री के ही बताए गए सुधारों के तहत होंगे। नागराजू ने बताया कि अक्सर बैंक ग्राहकों को जबरदस्ती इंश्योरेंस दिलाने की कोशिश करते हैं, जिससे गलत तरीके से पॉलिसी बेची जाती है। छोटे व्यापार करने वाले या घर खरीदने वाले लोग कई बार मजबूर होकर इंश्योरेंस ले लेते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए सरकार ने एक साल का फ्री-लुक पीरियड लागू किया है और इंश्योरेंस कंपनियों को भी इसे अपनाने के लिए कहा है।

1000 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न, कंपनी को लेकर आई बड़ी खबर

नईदिल्ली, एजेंसी। सही समय पर सही स्टॉक पर दांव लगाने से निवेशक करोड़पति बन सकते हैं। नावा लिमिटेड के साथ ऐसा ही कुछ देखने को मिली है। बीते कुछ साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 1000 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। अब कंपनी जल्द ही अपने शेयरों को बायबैक करने जा रही है।

आइए विस्तार से जानते हैं इस मल्टीबैगर स्टॉक के विषय में - बीएसई में कंपनी के शेयर आज 384.65 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयर दिन में (11.47 बजे तक) करीब 8 प्रतिशत की तेजी के साथ 408.70 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। इस उछाल के पीछे की वजह बायबैक की खबर को माना जा रहा है। बीते साल सितंबर में यह स्टॉक 673.35 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। लेकिन वैश्विक स्थिति, हाई वैल्यूएशन और स्टॉक मार्केट के बदले रुख की वजह से कंपनी के शेयरों की कीमतों में गिरावट देखने को मिली।

डिफेंस कंपनियों की दहाड़ से गूंजा शेयर बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी। बुधवार का दिन डिफेंस कंपनियों के लिए वापसी का दिन रहा है। डिफेंस स्टॉक कोचिन शिपयार्ड के शेयरों में करीब 60 प्रतिशत की गिरावट बीते 7 महीनों के दौरान देखने को मिली। लेकिन आज यह स्टॉक निवेशकों को गदगद करने में सफल रहा है। इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 9 प्रतिशत से अधिक की उछाल दर्ज की गई। कोचिन शिपयार्ड के शेयर 1229.95 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयर 1349 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया।

इन डिफेंस कंपनियों के शेयरों में भी तेजी : हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड , भारत डायनेमिक्स लिमिटेड , भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, गार्डन रीच शिपयार्ड लिमिटेड के शेयरों में भी उछाल देखने को मिली थी। बता दें, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के शेयरों में 9 प्रतिशत, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों में 2 प्रतिशत और गार्डन रीच के शेयरों में 15 प्रतिशत तक



की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज फर्म एलारा सिक्योरिटीज ने एचएएल, भारत डायनेमिक्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स को अपग्रेड किया था। ब्रोकरेज हाउस का कहना था कि ऑर्डर फ्लो बढ़ने का असर कंपनियों के शेयरों में देखने को मिलेगा।

इन डिफेंस स्टॉक्स पर बुलिश हैं एक्सपर्ट्स : हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को कवर कर रहे 16 में से 15 ब्रोकर ने बाय रेटिंग दी है। वहीं, एक बेचने की सलाह दी है। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड को कवर करने वाले 27 एक्सपर्ट्स में 24 ने खरीदने की सलाह दी है। जबकि 3 ने बेचने की बात कही है।

मुंबई के पूर्व कप्तान मिलिंद रेगे का 76 वर्ष की आयु में निधन

मुंबई। मुंबई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर मिलिंद रेगे का बुधवार को कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया। वह 76 वर्ष के थे। रेगे, जो एक ऑफ-स्पिनिंग ऑलराउंडर थे, ने मुंबई के स्वर्णिम युग के दौरान 52 प्रथम श्रेणी मैचों में हिस्सा लिया था। वह लगातार पांच रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा रहे। हालांकि, 20 साल की उम्र में हृदय संबंधी समस्याओं के कारण उनका क्रिकेट करियर छोटा हो गया था, लेकिन उन्होंने खेल से जुड़े रहते हुए एक शानदार पेशेवर जीवन जिया।



क्रिकेट के अलावा प्रशासनिक भूमिका में भी योगदान- रेगे ने न केवल खिलाड़ी बल्कि प्रशासक और चयनकर्ता के रूप में भी क्रिकेट की सेवा की। वह टाटा स्पोर्ट्स क्लब और टाटा संचार विंग के प्रमुख रहे। मुंबई क्रिकेट में चयनकर्ता के रूप में उन्होंने कई प्रतिभाओं को तराशने का काम किया। सचिन तेंदुलकर से लेकर यशस्वी जायसवाल तक, उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को पहचाना और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया। पिछले चार वर्षों से वह मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के सलाहकार के रूप में कार्यरत थे।

सुनील गावस्कर के करीबी मित्र

मुंबई में पले-बढ़े मिलिंद रेगे को क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर के सबसे करीबी दोस्तों में गिना जाता था। लेकिन उनका प्रभाव केवल गावस्कर तक सीमित नहीं था। मुंबई के क्रिकेटरों और कॉर्पोरेट क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा करने वाले कई खिलाड़ियों के लिए वह प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत थे। उनकी भाषा पर पकड़, खेल की गहरी समझ और युवा खिलाड़ियों से जुड़ने की क्षमता को सभी ने सराहा। उन्होंने टेलीविजन कमेंट्री और विशेषज्ञ विश्लेषक के रूप में भी अपनी पहचान बनाई।

अंतिम संस्कार कल मुंबई में- मिलिंद रेगे के परिवार में पत्नी राज, बेटे सिद्धार्थ और आदित्य हैं। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को मुंबई में किया जाएगा।

ब्राज़ीलियन क्लब बोटाफोगो जाने के लिए तैयार पुर्तगाली कोच माटोस

रियो डी जनेरियो। ब्राज़ीलियन क्लब बोटाफोगो ने पुर्तगाली प्रबंधक वास्को माटोस को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त करने का समझौता कर लिया है। 44 वर्षीय माटोस ने दो साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमति जताई है, जो दिसंबर 2026 तक चलेगा।

स्थानीय समाचार आउटलेट ओ ग्लोबो की रिपोर्ट के अनुसार, रियो डी जनेरियो स्थित क्लब ने पुर्तगाल की शीर्ष लीग टीम सांता क्लारा के साथ माटोस के अनुबंध में रिलीज क्लॉज को सक्रिय करने के लिए



1 मिलियन यूरो का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। हालांकि, आधिकारिक घोषणा से पहले कुछ प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी की जानी बाकी हैं। बोटाफोगो इस साल की शुरुआत से बिना स्थायी मैनेजर के था, जब पूर्व कोच अर्तुर जॉर्ज ने जनवरी में कतर क्लब अल-रेयान का दामन थाम लिया था। तब से टीम की जिम्मेदारी क्लाउडियो कैकापा को अंतरिम कोच के रूप में सौंपी गई थी। कैकापा अब फिर से अपनी पिछली सहायक कोच की भूमिका में लौट सकते हैं।

माटोस को यूरोप के सबसे होनहार युवा मैनेजरों में से एक माना जाता है। उन्होंने सांता क्लारा को पिछले साल पुर्तगाल के दूसरे डिवीजन का खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। मौजूदा सीजन में उनकी टीम शीर्ष-उड़ान स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर है। उनके नेतृत्व में बोटाफोगो को नई रणनीतिक दिशा मिलने की उम्मीद की जा रही है।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का पहला मुकाबला आज

बांग्लादेश के खिलाफ उतरेगी रोहित ब्रिगेड



नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से हो चुकी है। टीम इंडिया का पहला मैच आज यानी 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ है। इस मैच में टीम इंडिया का पलड़ा बांग्लादेश के ऊपर थोड़ा भारी नजर आता है, लेकिन पिछले 5 मैचों का रिकॉर्ड अगर देखें तो बांग्लादेश की टीम भारत पर भारी पड़ी है। बांग्लादेश की टीम में 5 ऐसे खिलाड़ी मौजूद हैं जिनसे टीम इंडिया को बचकर रहने की जरूरत है।

चैंपियंस ट्रॉफी का ये दूसरा मुकाबला होगा जो भारत और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। इस मैच का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में होगा।

टीम इंडिया और बांग्लादेश के बीच आज तक चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सिर्फ एक ही मुकाबला हुआ है। वो मैच 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी में हुआ था। उस दौरान टूर्नामेंट का आयोजन इंग्लैंड में हुआ था और भारत-बांग्लादेश की भिड़ंत बर्मिंघम में हुई थी। उस मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को 265 रनों का टारगेट दिया था। टीम इंडिया की तरफ से रोहित शर्मा की 123 रनों की पारी और विराट कोहली की नाबाद 96 रनों की बदौलत भारत ने उस मुकाबले को आसानी से जीत लिया था। आइए अब जान लेते हैं इस बार इन दोनों टीमों के बीच चैंपियंस ट्रॉफी में होने वाले मैच की पिच रिपोर्ट।

तेज गेंदबाजों को मदद

इस पिच पर गेंदबाजों में तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी और वे शुरुआती विकेट निकाल सकते हैं।भारत-बांग्लादेश चैंपियंस ट्रॉफी मैच दुबई में खेला जाना है, ये मैच भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगा। तो आइए जान लेते हैं कि गुरुवार को वहां मौसम कैसा रहने वाला है। गुरुवार को दुबई में ज्यादातर आसमान में बादल छाए रहेंगे और 15 प्रतिशत बारिश का अनुमान भी है। हालांकि उम्मीद है कि इससे मैच पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा। दुबई में उमस काफी होने वाली है और हवा की रफ्तार भी ज्यादा नहीं होगी। दुबई में गुरुवार का अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेंटीग्रेड तक जाने का अनुमान है। जबकि न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेंटीग्रेड तक रहने के आसार हैं।

भारत और बांग्लादेश के बीच गुरुवार को खेले जाने वाले चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मैच दुबई स्थित दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान और यूएई संयुक्त रूप से कर रहे हैं क्योंकि भारत ने पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था। भारत अपने सभी मैच यूएई में खेलेगा। भारत और बांग्लादेश मैच की पिच के बारे में बात करें तो दुबई की विकेट वनडे क्रिकेट में अब तक बल्लेबाजों के लिए काफी फायदेमंद साबित होती आई है। यहां का सर्वाधिक वनडे स्कोर 355 रन है जो इंग्लैंड के नाम दर्ज है।

जोकोविच की दोहा में पहले दौर में चौंकाने वाली हार

दोहा। पूर्व विश्व नंबर 1 सर्बियाई महान नोवाक जोकोविच ने कतर ओपन, एटीपी 500 इवेंट में माटेओ बेरेटिनी से सीधे सेटों में हारने के बाद बहाने बनाने से परहेज किया और कहा कि इतालवी ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन पूरे सीजन में कोई और खिताब नहीं जीत पाए। 2017 के बाद यह पहली बार था जब 99 टूर-लेवल के खिताबी खिलाड़ी ने कोई बड़ा खिताब नहीं जीता।



उन्हें मात देने के लिए मास्टर क्लास मैच खेला। इटालियन ने एटीपी 500 में तीसरे वरीय सर्ब को 7-6(4), 6-2 से हराने के लिए उच्च गुणवत्ता वाला प्रदर्शन किया और जनवरी 2023 के बाद से शीर्ष 10 प्रतिद्वंद्वी पर अपनी पहली जीत दर्ज की। यह हार अप्रैल 2022 के बाद से सर्ब की पहली शुरुआती दौर की हार थी। जोकोविच जनवरी में हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ अपने ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनल मुकाबले से सेवानिवृत्त होने के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।

जोकोविच ने कहा, ÷मुझे उस अर्थ में कोई दर्द या परेशानी नहीं हुई। आज मैं अपने से बेहतर खिलाड़ी से हार गया। हां, मैं अपने वांछित स्तर पर नहीं था, और हो सकता है कि मैं अभी भी उस तरह से आगे नहीं बढ़ पा रहा हूं जैसा मैं चाहता हूं, लेकिन, मेरा मतलब है, मैंने बिना दर्द के खेला, इसलिए इसमें कोई बहाना नहीं है। उन्होंने कहा, 'वह बेहतर खिलाड़ी था। मुझे लगता है कि उसने मास्टर क्लास मैच खेला, ईमानदारी से कहूं तो, उसने बहुत ही शानदार ढंग से खेला और बहुत अच्छी सर्विस की, इसलिए उसकी टीम की जीत बहुत ही योग्य थी।' दोहा में दो बार के चैंपियन जोकोविच ने पिछले सीजन में

मैं अपने खेल को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा हूं

मैं हर किसी की तरह अपने खेल को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा हूं। लेकिन मेरा खेल अब बदलने वाला नहीं है। मैं सर्व और वॉली नहीं खेलने जा रहा हूं, शायद कभी-कभार, लेकिन मेरा खेल वही है जो है, कोर वही रहने वाला है। मैं जिस सतह पर खेलता हूं उसके आधार पर समायोजित करने की कोशिश करने जा रहा हूं और इसी तरह। ÷अधिक चोटें हैं। चीजें 10 साल पहले, 15 साल पहले जैसी नहीं हैं। मैं अभी भी अपने शरीर की दैनिक आधार पर देखभाल करने की कोशिश करता हूं, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि अब यह अधिक चुनौतीपूर्ण है। 24 बार के प्रमुख विजेता ने कहा, ÷मैं अभी भी परिस्थितियों को देखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करता हूं। जोकोविच को अब इंडियन वेल्स में एटीपीमास्टर्स 1000 इवेंट में खेलना है। दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी ने कैलिफोर्निया में पांच बार जीत हासिल की है।

हैदराबाद एफसी पर लीग डबल पूरा करने उतरेगी मुम्बई सिटी एफसी

हैदराबाद। मुम्बई सिटी एफसी बुधवार शाम यहां जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मेजबान हैदराबाद एफसी से भिड़ेगी, तो आइलैंडर्स का लक्ष्य हैदराबाद एफसी पर लीड डबल पूरा करना होगा, क्योंकि उन्होंने 30 नवंबर को रिवर्स फिक्स्चर 1-0 से जीता था। वहीं, मेजबान टीम अपने घर में लगातार तीसरी जीत हासिल करना चाहेगी, क्योंकि उसने अपने पिछले दो घरेलू मुकाबलों में जमशेदपुर एफसी को 3-2 से और मोहम्मडन एससी को 3-1 से हराया था। मुम्बई सिटी 20 मैचों में आठ जीत, सात ड्रा और पांच हार से 31 अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर है। उसने पिछले पांच मैचों में दो जीते, दो ड्रा खेले और एक हार हारा है। हैदराबाद एफसी 20 मैचों में चार जीत, चार ड्रा और 12 हार से 16 अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में 12वें स्थान पर है। उसने अपने पिछले चार मैचों में दो जीते हैं। हैदराबाद ने आईएसएल 2024-25 में हैडर से नौ गोल खाए हैं, जो संयुक्त सबसे अधिक है। उसने सबसे कम क्लीन शीट (2) रखी हैं, और सभी 13 टीमों में सबसे अधिक गोल (41) खाए हैं। रामलुंचुंगा ने इस सत्र के दौरान फाइनल थर्ड में 17 बार कब्जा जीता है, जो सभी भारतीय खिलाड़ियों में सबसे अधिक है। उन्होंने एक गोल किया, तीन असिस्ट किए हैं, और विपक्षी बॉक्स के अंदर 25 टच दर्ज किए हैं। मुम्बई ने अपने कुल पास का 27.5त्न (कुल 9,104 पास में से 2,502) डिफेंसिव थर्ड में बनाया है, जो 94.6त्न सटीकता के साथ लीग में सबसे ज्यादा है। हैदराबाद के अंतरिम मुख्य कोच शमील चेम्बकथ ने आगामी मैच के लिए अपनी टीम की संभावनाओं पर बात की। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ी मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ मैच पर ध्यान लगा रहे हैं। हमने कड़ी ट्रेनिंग की है और घरेलू मैदान पर सकारात्मक प्रदर्शन करने की उम्मीद है।' आइलैंडर्स के चेक हेड कोच पीटर क्रेटकी ने कहा कि मुम्बई सिटी में माकूल नतीजे पाने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों में क्षमता है और इसने हमें पूरे सत्र में महत्वपूर्ण अंक जीतने में मदद की है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हम तालिका में यथासंभव उच्च स्थान पर पहुंचने की कोशिश करें।' आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए हैं। मुम्बई सिटी एफसी ने चार बार जीत हासिल की है जबकि हैदराबाद एफसी ने दो मैच जीते हैं। पांच मुकाबले ड्रा रहे हैं।



वॉलीबॉल नेशंस लीग फाइनल 2025 की मेजबानी करेगा निंगबो



जिनेवा। पूर्वी चीन का निंगबो इस गर्मी में 2025 वॉलीबॉल नेशंस लीग (वीएनएल) पुरुष फाइनल की मेजबानी करेगा।- इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन (एफआईवीबी) ने मंगलवार को उक्त घोषणा की। निंगबो बेइलुन स्पोर्ट्स एंड आर्ट्स सेंटर 30 जुलाई से 3 अगस्त तक कार्यक्रम का आयोजन करेगा, जबकि महिलाओं का फाइनल 23 से 27 जुलाई तक पोलैंड के लॉड्ज़ में होगा। एफआईवीबी के अनुसार, हांगकांग और मकाओ ने 2024 में महिला वीएनएल के प्रत्येक दौर की मेजबानी की, 268 मिलियन दर्शकों को आकर्षित किया और चीन सेंट्रल टेलीविजन पर 168 घंटे का लाइव प्रसारण किया। एफआईवीबी ने यह भी कहा कि वीएनएल 2024 में चीन में दूसरा सबसे बड़ा खेल प्रसारण था, जिसकी अधिकतम दर्शक संख्या 23.6 मिलियन तक पहुंच गई थी। एफआईवीबी ने घोषणा की कि 2024 में वीएनएल ने वैश्विक स्तर पर उपस्थिति में 13 प्रतिशत की वृद्धि देखी।

श्याम लाल मेमोरियल महिला हॉकी टूर्नामेंट का खिताब

दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने जीता

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल इन्विटेशनल हॉकी टूर्नामेंट के महिला वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में एलुमना ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस को 2-1 से मात दी।

श्याम लाल कॉलेज के मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में विजेता टीम के लिए दोनों गोल अक्षिता ने दागे, जबकि पराजित टीम के लिए एकमात्र गोल सोमवती ने किया। शानदार खेल के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना की अक्षिता को प्लेयर ऑफ द मैच, जबकि मनिता को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिला।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि रोहतास नगर के विधायक एवं भाजपा नेता जितेंद्र महाजन ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर श्याम लाल कॉलेज के



प्रधानाचार्य डॉ. रबि नारायण कर, दिल्ली यूनिवर्सिटी की फिजिकल एजुकेशन विभागाध्यक्ष प्रो. सरिता त्यागी, डीयूएससी के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. सुशील कुमार, एम्यूनोथेरेपिस्ट डॉ. जमाल अनोनो खान और जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. नरेंद्र ने खिलाड़ियों को अन्य पुरस्कार वितरित किए। श्याम लाल कॉलेज की स्पोर्ट्स कमेटी के संयोजक वी.एस. जग्गी ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि जितेंद्र महाजन ने कहा, मुझे खुशी है कि हमारी बेटियां पूरे जोश और उत्साह के साथ हॉकी टूर्नामेंट में उतरीं। कॉलेज को इस आयोजन के लिए बधाई। गौरतलब है कि मेजबान श्याम लाल कॉलेज ने इस टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग का खिताब जीता। वहीं, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों के फाइनल में जगह बनाई।



'भारत के एडिसन' जीडी नायडू की बायोपिक की घोषणा, माधवन निभाएंगे मुख्य भूमिका

निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार 'भारत के एडिसन' के नाम से मशहूर वैज्ञानिक जीडी नायडू की बायोपिक बनाएंगे। निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल जारी कर दिया है। टाइटल 'जी.डी.एन' रखा गया है, जिसमें अभिनेता आर. माधवन मुख्य भूमिका में दिखेंगे। वैज्ञानिक पर आधारित बायोपिक का भारत में शेड्यूल मंगलवार से शुरू हो चुका है, जिसमें आर माधवन के साथ अभिनेता प्रियामणि, जयराम और योगी बाबू भी शामिल होंगे। फिल्म में संगीत गोविंद वसंता ने दिया है। अभिनेता माधवन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए एक पोस्टर शेयर किया। उन्होंने लिखा, आप सभी के आशीर्वाद और शुभकामनाओं की जरूरत है। जानकारी के अनुसार, फिल्म की पूरी शूटिंग कोयंबटूर में की जाएगी, जो वैज्ञानिक का जन्मस्थान है। खास बातचीत में फिल्म के कार्यकारी निर्माता मुरलीधरन सुब्रमण्यम ने बताया था, फिल्म का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा कोयंबटूर में शूट किया जाएगा और बाकी पांच प्रतिशत विदेश में शूट किया जाएगा। पांच प्रतिशत का एक छोटा हिस्सा, जो विदेश में शूट किया जाना था, वह पिछले साल ही पूरा हो चुका है। बाकी हिस्से की शूटिंग जारी है। मुरलीधरन ने कहा, निर्देशक और उनकी टीम ने वैज्ञानिक के जीवन पर तीन से पांच साल से भी अधिक समय तक रिसर्च किया है। टीम का उद्देश्य था कि जीडी नायडू, विज्ञान और समाज में उनके योगदान का कोई भी हिस्सा ना छूटे।

'रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट' को साल 2022 में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए मिले राष्ट्रीय पुरस्कार के बाद वर्गीज मूलन पिक्चर्स और ट्राइकलर फिल्म्स इस प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। 'रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट' में नंबी नारायणन की भूमिका निभाने वाले माधवन अब जीडी नायडू की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण वर्गीज मूलन पिक्चर्स के वर्गीज मूलन और विजय मूलन तथा ट्राइकलर फिल्म्स के आर. माधवन और सरिता माधवन करने के लिए तैयार हैं। अरविंद कमलानाथन फिल्म के सिनेमैटोग्राफर और क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में काम करेंगे।



शादी में बब्बर परिवार के शामिल न होने पर प्रिया बनर्जी ने तोड़ी चुप्पी

प्रतीक बब्बर और प्रिया बनर्जी ने 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे पर शादी रचाई। प्रतीक राज बब्बर और दिवंगत अभिनेत्री स्मिता पाटिल के बेटे हैं। प्रतीक ने अपनी दिवंगत मां स्मिता के मुंबई स्थित घर में ही शादी रचाई। लेकिन, इस शादी में उनके पिता राज बब्बर शामिल नहीं हुए। न ही बब्बर परिवार का कोई और सदस्य दिखाई दिया। इस पर प्रतीक की दुल्हन प्रिया बनर्जी ने प्रतिक्रिया दी है।

सभी महत्वपूर्ण लोग मौजूद थे

प्रतीक बब्बर और प्रिया बनर्जी की शादी में न तो राज बब्बर नजर आए और न ही उनके सौतेले भाई-बहन जूही और आर्य बब्बर दिखे। इतने अहम दिन पर बब्बर परिवार की अनुपस्थिति के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद बब्बर परिवार के साथ प्रतीक के रिश्तों में कुछ दूरियां आ गई हैं। या कोई नाराजगी है। इन अफवाहों पर बात करते हुए प्रिया बनर्जी ने कहा, हमारे लिए जो मायने रखते हैं वो सभी लोग शादी में मौजूद थे।

क्या राज बब्बर को परिवार का सदस्य नहीं मानतीं प्रिया?

शादी के फंक्शन में बब्बर परिवार के शामिल न होने को लेकर प्रिया बनर्जी ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि परिवार का कोई भी सदस्य गायब नहीं था। उन्होंने कहा, पता नहीं ऐसी अफवाह क्यों हैं? वहां हमारे लिए महत्वपूर्ण और परिवार के सभी लोग मौजूद थे। मेरे माता-पिता, प्रतीक की मौसियां, नाना-नानी, जिन्होंने प्रतीक की परवरिश की। सभी लोग शामिल थे। वे सभी लोग मौजूद थे, जिन्हें परिवार माना जाता है। प्रिया की इस टिप्पणी के बाद यह सवाल किया जा रहा है कि क्या प्रिया राज बब्बर को परिवार का हिस्सा नहीं मानती हैं।

यह घर उनकी तरफ से तोहफा है

प्रिया बनर्जी ने अपनी शादी के दिन का जिक्र करते हुए कहा कि शादी बिल्कुल वैसी ही हुई, जैसा उन्होंने और प्रतीक बब्बर ने सोचा था। उन्होंने इसे एक स्पेशल अवसर बताया। उन्होंने कहा कि उस खास घड़ी में परिवार के सभी लोग एक ही छत के नीचे मौजूद रहे। प्रिया ने बताया कि प्रतीक की मां यानी अभिनेत्री स्मिता पाटिल ने वह घर काफी अरमानों से खरीदा था कि उसमें रहकर प्रतीक का पालन-पोषण करेंगी, लेकिन हालात ने इसकी इजाजत नहीं दी। प्रिया ने कहा, हमें यकीन है कि यह घर उनकी ओर से एक तोहफा है, वे चाहती थीं कि हमारा सफर यहीं से शुरू हो।



18 अप्रैल को रिलीज होगी केसरी 2

साल 2019 में आई अक्षय कुमार की फिल्म केसरी सुपरहिट साबित हुई थी। अब वे केसरी चैप्टर 2 में नजर आएंगे। फिल्म मार्च में होली के अवसर पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। इसकी नई रिलीज डेट से परदा उठ गया है। मालूम हो कि इस बार फिल्म में आर. माधवन भी अहम रोल में दिखाई देंगे। इसके अलावा अनन्या पांडे भी फिल्म का हिस्सा हैं। करण सिंह त्यागी के निर्देशन में बनी फिल्म अप्रैल में दस्तक देगी। फिल्म कैसरी चैप्टर 2, 18 अप्रैल 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस, लियो मीडिया कलेक्टिव और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। भले ही फिल्म का नाम कैसरी चैप्टर 2 है, लेकिन 2019 की केसरी की कहानी से इसका लेना-देना नहीं है। इस फिल्म की कहानी वकील और पॉलिटिशियन रहे सी. शंकरन नायर पर आधारित है। फिल्म की कहानी जलियांवाला बाग हत्याकांड की पृष्ठभूमि पर आधारित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का नाम पहले शंकरा रखा गया था, लेकिन बाद में बदल दिया गया। फिल्म की कहानी की बात की जाए तो यह आजादी से पहले की है। इसमें स्वतंत्रता के दौरान हुई कई महत्वपूर्ण घटनाओं को दिखाया जाएगा।

काम को लेकर बोले साकिब सलीम, बिना स्ट्रगल के कुछ नहीं मिलता

83 और रंगबाज में नजर आ चुके साकिब सलीम इन दिनों क्राइम बीट शो में एक जर्नलिस्ट का किरदार निभा रहे हैं। साकिब सलीम ने अपने करियर और शोज को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि वे अपने करियर के पड़ावों पर ऑडिशन देने से पीछे नहीं हटते हैं।

इंटरव्यू में साकिब ने पत्रकार की भूमिका को लेकर बात की है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वाकई ये बहुत मुश्किल जिंदगी है। यहां दिन-रात और तीन बार के खाने का कोई कॉन्सेप्ट नहीं है। आप हर समय किसी न किसी काम के पीछे भागते रहते हैं। बहुत जल्दी आपको कुछ भी नहीं मिलता है। अभिनेता ने कहा कि अब अगर कोई मेरे पास स्टोरी मांगने या किसी बातचीत के लिए आता है तो मैं अब उन्हें अलग नजरिए से देखता हूं। पहले मैं ऐसा नहीं था, इस शो का मुझ पर काफी असर हुआ है। वे भी अपना काम ही करते हैं। अब मैं उनसे कहता हूं कि रुकिए मैं क्या बात कर सकता हूं, जिससे आपको स्टोरी मिल सके। ये बदलाव मैंने अपने अंदर महसूस किया है।

साकिब ने कहा कि वे अभी भी ऑडिशन देते हैं। स्ट्रगल करते हैं और इसमें उन्हें कोई परेशानी नहीं होती है। साकिब ने कहा, आपको हर किरदार के लिए काम करना पड़ता है। मैंने अपने जीवन में 15-16 फिल्में या शो किए होंगे। अगर मैंने ऑडिशन नहीं दिया है, तो हर चीज के लिए भागदौड़ करनी पड़ी है। यह मेरे पास नहीं आया। मुझे कई जगहों पर जाना पड़ा और लोगों को खुद पर विश्वास दिलाना पड़ा।

साकिब ने कहा कि उन्हें ऑडिशन किए जाने की बात पर गुस्सा आ जाता था। वे बुरा मान जाते थे, हालांकि, अब उन्हें इस बात का महत्व समझ आ गया है। उन्होंने कहा कि अब मुझे लगता है कि अगर आप एक अच्छे अभिनेता हैं, तो आपको ऑडिशन देने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। यह आपका काम है। आप घर बैठे बेहतर अभिनेता नहीं बन सकते हैं।





कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए अजय देवगन ने दी शुभकामनाएं

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आगामी फिल्म कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए शुभकामनाएं दी। फिल्म के ट्रेलर को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर करते हुए, सिंघम अभिनेता ने लिखा, पीढ़ियां आपस में टकरा सकती हैं, लेकिन प्यार हमेशा एक रास्ता खोज लेता है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में परिवार, प्यार और हंसी के मजेदार दिल को छू लेने वाले सफर के लिए तैयार हो जाइए। इस शुक्रवार 21 फरवरी को केवल जिओ हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग होगी। सोमवार को आगामी पारिवारिक ड्रामा कौशलजीस वर्सेस कौशल के निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी किया। फिल्म के ट्रेलर में दिल को छू लेने वाली कहानी की झलक मिलती है। फिल्म को सीमा देसाई और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म की कहानी 27 साल के युग कौशल की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कन्नौज में अपने छोटे शहर की जड़ों को पीछे छोड़कर दिल्ली चला जाता है। निर्देशक सीमा देसाई ने एक बयान में कहा, कौशलजीस वर्सेस कौशल की कहानी जो जटिल होते हुए भी खूबसूरत है। यह परिवार के बारे में है। हम अक्सर युवा जोड़ों की प्रेम कहानियां देखते हैं, लेकिन उन लोगों का क्या जो दशकों से साथ हैं? यह फिल्म शादी पर एक हल्की-फुल्की लेकिन मार्मिक नजर डालती है और पूछती है, क्या होगा अगर वर्षों के संघर्ष के बाद भी प्यार खत्म न हो। मुझे भरोसा है कि दर्शक प्यारे किरदारों से जुड़ेंगे, हंसेंगे, रोएंगे और अपने परिवार की झलक स्क्रीन पर देखेंगे। यह दिल से दिलों के लिए बनाई गई एक अच्छी फिल्म है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में शीबा चड्ढा, पावेल गुलाटी, ईशा तलवार, बृजेंद्र काला और ग्रुशा कपूर भी हैं। यह फिल्म 21 फरवरी को जिओ हॉटस्टार पर रिलीज होगी।



छावा का हिस्सा बनकर बोले विनीत कुमार सिंह

मुक्काबाज, गैंग्स ऑफ वासेपुर, बॉम्बे टॉकीज और गोल्ड जैसी फिल्मों के लिए मशहूर विनीत कुमार सिंह हाल ही में विक्की कौशल अभिनीत फिल्म छावा में दमदार किरदार निभाते नजर आए। छावा में विनीत ने कवि कलश की भूमिका निभाई है। कवि कलश, संभाजी महाराज के करीबी दोस्त थे। फिल्म में अपने किरदार के लिए उन्हें फैंस की तारीफ मिल रही है।

अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट पर लिखा कि एक अभिनेता के तौर पर यह सबसे जरूरी है कि आप ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनें, जिनकी कहानी फैंस के दिलों को छू जाए। मैं हमेशा से ऐसी ही कहानी चुनने के बारे में सोचता हूं, जो फैंस को इंस्पायर करें या आपको कुछ नया महसूस करवाए। मुक्केबाज के बाद एक ऐसा समय था, जब मेरे पास काम नहीं था लेकिन आज मैं उस फिल्म का हिस्सा हूं, जिसे करने के बाद मुझे गर्व महसूस हो रहा है। विनीत कुमार कवि कलश इस खूबसूरत और दमदार किरदार निभाने का मौका मिला। जिंदगी अपने तरीके से सबक सिखाती है, कभी-कभी मुश्किल होता है लेकिन हमेशा सार्थक होता है। जिन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया, उन सभी को धन्यवाद। विनीत ने सभी अभिनेताओं, निर्देशकों और पत्रकारों को विशेष धन्यवाद दिया, जिन्होंने उन्हें प्रोत्साहित किया और जीवन में कभी हार न मानने का कारण दिया। आशा करता हूं कि अब लोग नहीं पूछेंगे कि आपका नाम क्या है?

विक्की कौशल की तारीफ की

विनीत कुमार ने विक्की कौशल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि जैसे आपने इस फिल्म में जान डाली, उसने वाकई मुझे छू लिया। मैंने आपको गैंग्स ऑफ वासेपुर से छावा तक का सफर तय करते देखा है। मैं अपने सभी सह-कलाकारों का आभारी हूं। उन्होंने एआर रहमान का भी धन्यवाद किया। छावा में मेरे किरदार को आपकी खूबसूरत कविताएं देने के लिए धन्यवाद। कोशिश करूंगा ऐसी कहानियां आपके सामने लाने को जो आपके दिलों को छू जाएं।





फिल्म मालिक में गैंगस्टर का रोल अदा करने वाले हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव अपनी अगली फिल्म में गैंगस्टर का रोल अदा करने वाले हैं। फिल्म का नाम है मालिक। इस फिल्म का जबसे एलान हुआ है, दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट पर अपडेट शेयर कर दिया है। यह फिल्म जून में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। मकेर्स ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर कर रिलीज डेट से परदा उठाया है। 15 फरवरी को टिप्स फिल्म्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें फिल्म से राजकुमार राव का लुक शेयर किया है। हाथों में गन थामे एक्टर इंटेस लुक में दिख रहे हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, पूरे प्रदेश और देश पर राज करने आ रहे हैं मालिक।